

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



तिगरी गंगा मेले में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, दान कर पेज: 3

रिश्ते पर्सनल होते हैं, पलिक एंटरटेनमेंट नहीं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 231 | बुधवार 25 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बिहार : उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम में बगावत, 3 विधायकों ने मांगा अलग गुट

पटना, एजेंसी। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत पर उतर आए है। सूत्रों के अनुसार, इन बागी विधायकों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर खुद को एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिससे पार्टी में आंतरिक संकट गहरा गया है।इस असंतोष की जड़ें तब से गहरी हुई हैं जब उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल कराया था। तब दीपक प्रकाश विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, जिस पर इन विधायकों ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की थी। बागी विधायकों का आरोप है कि पार्टी का कामकाज अब काफी हद तक पारिवारिक हितों से प्रेरित है। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में उनसे कोई सलाह नहीं ली जाती और चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय परिवार के सदस्यों, खासकर दीपक प्रकाश को प्राथमिकता मिलती है। इन विधायकों ने पहले भी पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों पर असहमति व्यक्त की थी, जिसके कारण उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ गईं। तीन विधायकों के अलग होने के बाद, अब उपेंद्र कुशवाहा के गुट में केवल उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा ही बची हैं।

देश में बढ़ी ठंड, कश्मीर और पहाड़ों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि मध्य प्रदेश का भोपाल 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में देश के कई हिस्सों में पारा 2 से 4 डिग्री तक और गिरने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां लखीमपुर में विजिबिलिटी 25 मीटर से कम रही। छत्तीसगढ़ में भी कोहरे के बीच अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों में ठंड और भी ज्यादा है। कश्मीर के छह शहरों में पारा शून्य से नीचे रहा, शोपियां में -3.9 डिग्री और श्रीनगर में -0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मणिमहेश झील 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत के साथ जम गई है। उत्तराखंड के चारों धामों, बद्रीनाथ और गंगोत्री में तापमान क्रमश: -11 और -14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 25 और 26 नवंबर को उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में घने कोहरे का जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी हित चिंतक अभियान शुरू, 5 करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूरे भारत में अपने महत्वाकांक्षी हित चिंतक अभियान का शुभारंभ किया है। 6 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत वीएचपी का लक्ष्य देश भर में 5 करोड़ से अधिक नए हित चिंतक (सदस्य) बनाना है। यह अभियान विभिन्न समुदायों तक पहुँच बनाकर संगठन की विचारधारा और कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगा। अभियान के तहत, वीएचपी ने सिर्फ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से 11 लाख हित चिंतक बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें नागपुर जिले और शहर से 1 लाख सदस्य शामिल हैं। विदर्भ प्रांत के 12,500 गांवों तक पहुंचने की योजना है, जहाँ हर जिले और बस्ती में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता दे रहे हैं। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री प्रशांत तितरे ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम 4-4 घंटे कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं।

इस अभियान से 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति महिला, पुरुष या युवा जुड़ सकता है, बशर्ते वह विश्व हिंदू परिषद और सनातन धर्म को मानता हो। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री तितरे ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल, पंथ या विचारधारा से संबंध रखने वाला व्यक्ति, यदि वह सनातनी है, तब इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। वीएचपी दुर्गम क्षेत्रों जैसे घाटी, मणिपुर और पूर्वी भारत के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बना रहा है।

पंजाब में फिर साथ आए भाजपा और अकाली दल, पीएम मोदी बोले- जनता की पहली पसंद बनेगा गठबंधन



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल के बीच फिर से गठबंधन होने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों का गठबंधन स्वाभाविक है और पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनकर उभरेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सर्वोपरि है। उन्हें खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल की एनडीए परिवार में वापसी हो रही है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर। पंजाब को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा गठबंधन : मोदी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है। यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब को जनहितैषी शासन मिले और राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और सरदार प्रकाश सिंह बादल द्वारा सींचा गया अकाली दल-भाजपा गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यह गठबंधन पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों ने किया गठबंधन का ऐलान बता दें कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गठबंधन का ऐलान किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में गठबंधन की घोषणा की। भाजपा मुख्यालय पहुंचे सुखबीर बादल, अमित शाह से की मुलाकात शिरोमणि अकाली दल के

> ***अमित शाह ने कहा कि जब पूरा देश श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मना रहा है, ऐसे समय में सबसे पुराने सहयोगी अकाली दल की एनडीए में वापसी सभी के लिए***

अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मंगलवार दोपहर दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़ और अश्वनी शर्मा भी मौजूद रहे। अकाली दल एनडीए के सहयोगी के रूप में करेगा काम : अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कक्ष में दोनों दलों के नेताओं की बैठक हुई। इसमें अकाली दल और भाजपा के गठबंधन पर चर्चा की गई। दोनों दलों ने फैसला किया है कि अगला पंजाब विधानसभा चुनाव भाजपा और अकाली दल मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज से अकाली दल एनडीए के सहयोगी के रूप में राजनीति में काम करेगा। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर पुराने साथी की वापसी खुशी की बात अमित शाह ने कहा कि जब पूरा देश श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मना रहा है, ऐसे समय में सबसे पुराने सहयोगी अकाली दल की एनडीए में वापसी सभी के लिए आनंद का विषय है। उन्होंने सुखबीर सिंह बादल और अकाली दल के सभी नेताओं का एनडीए में स्वागत किया।

रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत



हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।

सीएम रेंवत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेंवत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेंवत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।

बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी, एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुंचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।



भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह



मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।

इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत ज़रूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गईं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

सफलता का मंत्र: वरिष्ठ वकील सिंघवी की सलाह, एआई से बचें शुरुआती 5 साल

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पांच बार के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों और लॉ छात्रों को वकालत के पेशे की कुछ बारीकियां साझा कीं। आज कल वकालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती दखल और कानूनी परिवारों से आने वाले नेपोटिज्म के फायदों के बीच, उन्होंने एक नए वकील के लिए अपनी जगह बनाने का स्पष्ट रास्ता बताया। डॉ. सिंघवी ने शुरुआत में ही स्पष्ट किया कि वे युवाओं को उपदेश देने नहीं, बल्कि अपने अनुभव साझा करने आए हैं, क्योंकि सलाह युवाओं को पसंद नहीं आती। हालांकि, उन्होंने नई पीढ़ी की तकनीकी समझ और संसाधनों की सराहना की, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं।

कानून के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र बताकर डॉ. सिंघवी ने कहा कि निरंतर परिश्रम और धैर्य का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, मेहनत, और ज्यादा मेहनत और उससे भी ज्यादा मेहनत, यही मेरी सफलता का मंत्र है। वकालत में 99 फीसदी मेहनत है और सिर्फ 1 फीसदी प्रेरणा का खेल होता है। कानूनी कामकाज में एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने बेहद संतुलित और व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने खुद को तकनीक का दिल से समर्थक बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इस तकनीक को अपना मालिक नहीं बनने दे सकते। खासतौर पर युवा वकीलों को उन्होंने सलाह दी, मैं कानूनी दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग के लिए एआई के इस्तेमाल का समर्थन नहीं करता, खासकर करियर के शुरुआती पांच साल आपको ड्राफ्टिंग खुद करनी चाहिए।

डॉ. सिंघवी ने बताया कि समय के साथ कानून के पेशे को लेकर समाज का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां कानूनी करियर का आखिरी विकल्प माना जाता था, वहीं आज यह छात्रों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने वकालत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को बताकर कहा कि वे अब शानदार काम कर रही हैं। कानूनी पृष्ठभूमि से आने वाले वकीलों को मिलने वाले शुरुआती लाभ पर उन्होंने बेबाक राय रखकर माना कि पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरुआती मंच जरूर मिल सकता है, लेकिन एक या दो केस के बाद सभी वकील एक ही स्तर पर खड़े होते हैं और असली पहचान काम और अनुभव से ही बनती है। उन्होंने जोड़ा कि अब पारिवारिक पृष्ठभूमि का यह फायदा धीरे-धीरे कम हो रहा है।

एक वकील की नैतिकता और भूमिका पर बात कर डॉ. सिंघवी ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को अपने क्लाइंट के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जीवन और कानून हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते, बल्कि ग्रे (मिश्रित परिस्थितियों वाले) होते हैं। उन्होंने कहा, एक वकील को न अपना मुवक्किल चुनना चाहिए और न ही उस जज करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई इसतरह के केस लेने से इंकार किया है, जहां उन्हें लगा कि अदालत में वे दलीलें नहीं टिक पाएंगी। अपनी प्रेरणा के स्रोत के बारे में पूछने पर डॉ. सिंघवी ने अपने पिता को याद किया, जो स्वयं एक वकील और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने युवाओं को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ने की सलाह दी, क्योंकि उनसे जीवन की दिशा और प्रेरणा मिलती है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उन्होंने बताया कि वे वकालत, राजनीति, मीडिया संवाद और अपने अध्ययन के बीच लगातार संतुलन बनाते हैं, और वे हमेशा से शिक्षक बनना चाहते थे, जिसका प्रमाण उनके विश्वविद्यालयों में दिए जाने वाले व्याख्यान हैं।

संपादकीय

बिना आस्था तीर्थयात्रा

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं।

सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं, जहां उन्हें बिना किसी अपराधबोध के शांतिपूर्वक और आराम से रहने का मौका मिलता है। सही मायने में व्यक्ति के मन को शांति और सुकून प्रकृति के सान्निध्य में और अपने मूल स्वभाव में जीने से ही मिलता है।

सूक्ति

अनुराग, यौवन, रूप या धन से उत्पन्न नहीं होता। अनुराग, अनुराग से उत्पन्न होता है। - प्रेमचंद

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं। - स्वामी विवेकानंद

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सोना और भारतीय अर्थव्यवस्थाः सांस्कृतिक लगाव, सुरक्षित निवेश और गिरती कीमतों का आर्थिक सच



हिना भाटिया

सोने की कीमतों में गिरावट खरीदारों के लिए अवसर, लेकिन निवेशकों के लिए चेतावनी; एक ही धातु में अत्यधिक निवेश आर्थिक जोखिम बढ़ा सकता है...

भारत में सोना केवल एक बहुमूल्य धातु नहीं, बल्कि परंपरा, प्रतिष्ठा, सुरक्षा और पारिवारिक समृद्धि का प्रतीक है। विवाह, त्योहार और शुभ अवसरों पर सोना खरीदना भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। आर्थिक अनिश्चितता के समय इसे सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। लेकिन जब सोने की कीमतों में तेजी के बाद गिरावट आने लगती है, तो एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि इसका भारतीय अर्थव्यवस्था, आम उपभोक्ता और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

सोने की कीमतों में गिरावट के आर्थिक मायने

सोने की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, अमेरिकी डॉलर, ब्याज दरों, वैश्विक तनाव और निवेशकों की मांग से प्रभावित होती हैं। कीमतों में गिरावट आने पर आभूषण खरीदने वाले परिवारों को राहत मिल सकती है। विवाह के लिए सोना खरीदने वालों की लागत घटती है और आभूषण कारोबार में मांग बढ़ने की संभावना बनती है। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों पर सोना खरीदने वाले निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हालांकि सोने की कीमतों में गिरावट हमेशा आर्थिक कमजोरी का संकेत नहीं होती। कई बार वैश्विक अनिश्चितता कम होने और निवेशकों का रुझान शेयर बाजार जैसे दूसरे विकल्पों की ओर बढ़ने से भी सोना सस्ता होता है।

सुरक्षित निवेश, लेकिन पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं

सोने को महंगाई और आर्थिक संकट के विरुद्ध सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। लंबे समय में यह संपत्ति के मूल्य को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है। लेकिन यह धारणा गलत है कि सोने की कीमत हमेशा बढ़ती ही रहेगी। यदि कोई परिवार अपनी अधिकांश बचत सोने में लगा देता है, तो कीमतों में अचानक गिरावट उसकी संपत्ति का बाजार मूल्य घटा सकती है। आभूषण खरीदने पर मेकिंग चार्ज और अन्य खर्च भी जुड़ते हैं। इसलिए सोना खरीदना और सोने में निवेश करना दो अलग आर्थिक निर्णय हैं।

अत्यधिक सोना खरीदने से अर्थव्यवस्था पर दबाव

भारत अपनी सोने की अधिकांश जरूरत आयात से पूरी करता है। अत्यधिक आयात से विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ती है और व्यापार घाटे पर दबाव पड़ सकता है। सोने में लगाई गई बड़ी बचत यदि उद्योग, व्यवसाय और अन्य उत्पादक क्षेत्रों तक नहीं पहुंचती, तो रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी सीमित हो सकते हैं।

संतुलित निवेश ही आर्थिक समझदारी

सोने की कीमतों में गिरावट को केवल खरीदारी का सुनहरा अवसर समझना उचित नहीं है। निवेशकों को अपनी आय, जरूरतों और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार निर्णय लेना चाहिए। बैंक जमा, शेयर, म्यूचुअल फंड और अन्य निवेश विकल्पों के बीच संतुलन रखना आवश्यक है।

निष्कर्षतः सोना भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत और आर्थिक सुरक्षा का एक माध्यम है, लेकिन संपूर्ण आर्थिक भविष्य को एक ही धातु के भरोसे छोड़ना समझदारी नहीं। वास्तविक समृद्धि सोना जमा करने में नहीं, बल्कि बचत, निवेश और उत्पादक पूंजी के संतुलित उपयोग में निहित है।

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव



ललित गर्ग

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को ÷घर की बात÷, ÷इज्जत का मामला÷ या ÷समझौते से सुलझाने÷ की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में ÷पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना÷ जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हमें एक बड़ा संकल्प देता है-ऐसा समाज बनाने का, जहां महिला को अपनी सुरक्षा के लिए हर समय संघर्ष न करना पड़े, जहां बेटी को जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक भय के बजाय सम्मान मिले, जहां न्याय पाने के लिए उसे अपनी पीड़ा बार-बार सिद्ध न करनी पड़े और जहां बलात्कार, दहेज-हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न और स्त्री-अस्मिता के अपमान जैसे शब्द धीरे-धीरे इतिहास के शब्दकोश का हिस्सा बन जाएं। महिला हिंसा का अंत केवल महिलाओं को सुरक्षित करने का अभियान नहीं है, यह पुरुषों को अधिक मानवीय और समाज को अधिक सभ्य बनाने का अभियान है। जिस दिन किसी महिला को अपनी गरिमा बचाने के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि समाज स्वयं उसकी गरिमा का प्रहरी बन जाएगा, उस दिन इस दिवस की सार्थकता पूरी होगी। नारी को दया नहीं, न्याय चाहिए। संरक्षण मात्र नहीं, समान अवसर चाहिए। सहानुभूति नहीं, सम्मान चाहिए। क्योंकि जिस समाज में उसकी आधी आबादी भयमुक्त नहीं है, वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय अर्थव्यवस्था 'डेड' नहीं: वर्ष 2028 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड अर्थव्यवस्था' कहा था। हालांकि, डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने इस विचार पर यू टर्न लेते हुए अमेरिकी फेडरल रिजर्व को भारत की तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था से कुछ सीखने की सलाह दे डाली है। परंतु, भारत के विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी अभी भी भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में बताते हुए इसे नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था बता रहे हैं। हाल ही में आस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक 'लोई इंस्टीट्यूट' ने 'एशिया पावर इंडेक्स' जारी किया है। जिसमें, अमेरिका एवं चीन के बाद भारत को सबसे अधिक शक्तिशाली देश बताया गया है। अब, यदि भारत 'डेड अर्थव्यवस्था' एवं 'नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में आता है तो फिर भारत को तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश कैसा बताया जा सकता है। उक्त इंडेक्स किसी भारतीय संस्थान द्वारा नहीं बल्कि आस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक द्वारा जारी किया गया है और यह इंडेक्स वर्ष 2018 से लगातार जारी किया जा रहा है। उक्त एशिया पावर इंडेक्स में 27 देशों को स्थान दिया गया है, जिसमें अमेरिका को प्रथम स्थान पर बताया गया है एवं चीन को 73.6 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर बताया गया है और भारत को 40.5 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस इंडेक्स में भारत के बाद जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया को सबसे अधिक शक्तिशाली देश माना गया है। वर्ष 2024 में भारत (39.1 अंक) ने जापान (38.9 अंक) को पीछे छोड़ते हुए शक्तिशाली देशों की सूची में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। वर्ष 2025 में भारत ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए, 40 अंक प्राप्त किए थे एवं अपने आप को 'मेजर पावर देश' की सूची में शामिल कर लिया था। वर्ष 2026 में भारत को 40.5 अंक प्राप्त हुए हैं एवं भारत मेजर पावर देश की सूची में बना रहा है। जबकि अमेरिका एवं चीन 'सुपर पावर देशों' की सूची में शामिल रहे हैं। जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया 'मिडल पावर श्रेणी' में शामिल किए गए हैं। क्या 'डेड अर्थव्यवस्था' कभी मेजर पावर श्रेणी में शामिल हो सकती है? भारत ने इस दृष्टि जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया जैसे शक्तिशाली देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। एशिया पावर इंडेक्स के आंकलन में मुख्य रूप से चार मानकों पर 27 देशों की स्थिति को आंका गया है - (1) कूटनीतिक प्रभाव - इस मानक में भारत को 70.3 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत का वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक प्रभाव उच्चतम स्तर का है। (2) भविष्य में संसाधनों की उपलब्धि - भारत को इस मानक में 56.2 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत का भविष्य सुरक्षित है। (3) सांस्कृतिक प्रभाव - भारत को इस मानक में 43.8 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत को वैश्विक स्तर पर अपने सांस्कृतिक प्रभाव को अभी और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। (4) आर्थिक सामर्थ्य - इस मानक में भारत को 26.4 अंक ही प्राप्त हो सके हैं। अर्थात, हालांकि भारत की आर्थिक विकास दर विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज बनी हुई है परंतु इस संदर्भ में भारत को अपने आर्थिक सामर्थ्य को अमेरिका एवं चीन की तुलना में और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है।



भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड अर्थव्यवस्था एवं भारतीय अर्थव्यवस्था को नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था बताने वाले बयान की धज्जियां एक अन्य प्रतिवेदन में भी उड़ाई गई हैं। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (ASSOCHAM) ने हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत आज न केवल विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यस्था है बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत सबसे अधिक मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में भी गिना जा रहा है। विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत, आर्थिक क्षेत्र में, वृहद रूप में सबसे अधिक लचीली अर्थव्यवस्था मानी जा रही है। इस संदर्भ में, हाल ही में भारत ने चीन, अमेरिका, जापान, जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत की वृहद आर्थिक शक्ति अब पूरे विश्व के समक्ष दिखाई देने लगी है एवं इससे अब विश्व के कई देश भारत के साथ जुड़ना चाह रहे हैं तथा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न करने हेतु लालायित हो रहे हैं।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा सम्पन्न किए गए अपने अध्ययन प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2021-25 के दौरान भारत तीसरे स्थान पर था परंतु वर्ष 2026-30 के दौरान भारत 71 अंको के साथ प्रथम स्थान पर आ गया है। अर्थात, भारत ने इस दौरान लम्बी छलांग लगाई है। चीन को 66 अंको के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं जापान एवं रूस 60 अंको के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे हैं। जर्मनी को 59 अंक प्राप्त हुए हैं, इटली एवं ब्राजील को संयुक्त रूप से 53 अंक प्राप्त हुए हैं। इस प्रतिवेदन में कुल 10 मानकों पर विभिन्न देशों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन सम्पन्न किया गया है - (1) सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर; (2) प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर; (3) सकल राष्ट्रीय बचत दर; (4) सकल पूंजी निर्माण में वृद्धि दर; (5) निर्यात में वृद्धि दर; (6) ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत; (7) प्राइमरी शेष (बचत); (8) चालू खाता (करेंट अकाउंट) शेष (उत्पादों के आयात एवं निर्यात के बीच अंतर); (9) संरचनात्मक शेष; (10) राजकोषीय शेष (फिस्कल बैलेन्स)।

भारत की आर्थिक विकास दर चूंकि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यस्थाओ के बीच सबसे अधिक है अतः भारत को इस मानक के अंतर्गत 10 में से 10 अंक प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के मानक पर भी भारत को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सकल राष्ट्रीय बचत दर एवं सकल पूंजी निर्माण में वृद्धि दर के मानकों पर भारत को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर एवं ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत के मानकों पर भारत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। प्राइमरी शेष (बचत) के मानक पर भारत को 5वां स्थान प्राप्त हुआ है। चालू खाता शेष एवं संरचनात्मक शेष के मानकों पर भारत को 7वां स्थान प्राप्त हुआ है एवं राजकोषीय शेष के मानक पर भारत को 8वां स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत की केंद्र सरकार के बजट घाटे में लगातार सुधार हो रहा है। कोविड महामारी के खंडकाल में बजट घाटा लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो अब घटकर 4.5 प्रतिशत से भी नीचे आ गया है।

ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत, अमेरिका में 121 प्रतिशत है, जापान में 236 प्रतिशत, फ्रान्स में 113 प्रतिशत, इटली में 135 प्रतिशत एवं भारत में 80 प्रतिशत है। सम्भवतः विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत में यह अनुपात सबसे कम है एवं भारत सरकार द्वारा इस अनुपात में और अधिक सुधार करने के प्रयास लगातार किये जा रहे है। इसी प्रकार, भारत ने कई देशों के साथ हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, जिसके चलते अक्टोबर 2026 माह में भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अप्रेल-अक्टोबर 2026 के 7 माह के दौरान भारत से, 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, 56,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात सम्भव हुआ है और सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान भारत के कुल निर्यात एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंच जाएंगे।

उक्त प्रतिवेदन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ताजा जानकारी के आधार पर यह आंकलन भी किया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2028 में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। वर्ष 2030 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार बढ़कर 6 से 6.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा एवं वर्ष 2037 तक यह 16 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को छू लेगा तथा वर्ष 2047 तक बढ़कर 34 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। प्रति व्यक्ति आय जो आज लगभग 2,900 अमेरिकी डॉलर है वह वर्ष 2047 में बढ़कर 18,000 से 20,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगी।

भारत ने पिछले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में बड़े स्तर पर सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिसका परिणाम अब विभिन्न मानकों में सुधार के रूप में सामने आ रहा है। परंतु, अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लागू किए जाने की आवश्यकता है। भारत में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है, इसे कम करने की आवश्यकता है ताकि वैश्विक स्तर पर भारत में निर्मित उत्पाद प्रतिस्पर्धी बन सकें। इसी प्रकार कृषि के क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम लागू किए जाने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत में अभी भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है, जो अपनी आय के लिए कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर हैं। यदि इस वर्ग की आय में वृद्धि होती है तो भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज होगी, इससे अंततः भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि और अधिक तेज होगी। भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग में रोजगार के सबसे अधिक अवसर निर्मित करने की क्षमता है। अतः इस क्षेत्र में भी सुधार कार्यक्रमों को शीघ्रता से लागू किया जाना चाहिए ताकि भारत में बरोजगारी की दर को और अधिक कम किया जा सके।

कुल मिलाकर, हालांकि भारत की आर्थिक विकास दर विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक (7 से 8 प्रतिशत के बीच) बनी हुई है परंतु इसे 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ऊपर ले जाने की आवश्यकता है, ताकि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाया जा सके। इसके लिए अभी भी कई क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रमों को द्रुत गति से लागू किए जाने की आवश्यकता है।

अमरोहा
बुधवार 25 नवंबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

तिगरी गंगा मेले में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, दान कर कमाया पुण्य













गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा धाम तिगरी में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि घाटों पर तिल रखने की जगह नहीं बची। दूर-दराज के जिलों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई, पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य कर पुण्य का लाभ कमाया। इस ऐतिहासिक मेले में बताया जाता है कि लगभग 40 लाख श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा के अवसर पर आस्था और श्रद्धा के साथ डुबकी लगाई। वहीं पुलिस प्रशासन की सक्रियता के चलते मेला बहुत ही बेहतर ढंग से संपन्न हुआ। मेले में श्रद्धालुओं ने मौत का कुआं, हिंडोले आदि का आनंद भी लिया।मेले की शुरूआत से ही तिगरी गंगा घाट पर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। कार्तिक माह के शुरू होते ही कल्पवासी गंगा तट पर पहुंचने लगे थे। कल्पवासियों ने पूरे माह गंगा तट पर रहकर भजन, कीर्तन, पूजा-पाठ और सेवा का संकल्प लिया। कार्तिक पूर्णिमा आते-आते यह संख्या लाखों में पहुंच गई। पूर्णिमा की रात से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। श्रद्धालुओं का मानना है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा में स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ लोग अपने परिवार, बच्चों और बुजुर्गों के साथ गंगा तट पर पहुंचे। महिलाओं ने गंगा मैया की पूजा की, दीपदान किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पुरुषों ने स्नान के बाद दान-पुण्य किया। बुजुर्गों ने अपने दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान किया। मेले में दान का विशेष महत्व रहा। श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों, गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, कंबल, फल और दक्षिणा दान की। जगह-जगह भंडारे और लंगर का आयोजन किया गया। समाजसेवी संस्थाओं ने श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, चाय, पानी और ठहरने की व्यवस्था की। कई स्थानों पर कंबल वितरण भी किया गया। दान करने वालों का कहना था कि गंगा तट पर किया गया दान कई गुना फल देता है। गंगा घाट पर दीपदान का दृश्य अत्यंत मनमोहक रहा। शाम होते ही हजारों श्रद्धालुओं ने पत्तों और मिट्टी के दीयों में दीप जलाकर गंगा में प्रवाहित किए। गंगा की लहरों पर तैरते हजारों दीपों से ऐसा लगा मानो गंगा ने तारों की चादर ओढ़ ली हो। श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में दीपदान किया। पौराणिक मान्यता के अनुसार महाभारत काल से तिगरी में दीपदान की परंपरा चली आ रही है। मेले में धार्मिक के साथ-साथ सांस्कृतिक और मनोरंजन का भी भरपूर रंग देखने को मिला। मेले में लगे मौत के कुएं में करतब दिखाने वाले कलाकारों को देखने के लिए बड़ी भीड़ उमड़ी। युवाओं ने बाइक और कार के खतरनाक करतब देखकर तालियां बजाईं। हिंडोले, झूले, चरखी और अन्य झूलों पर बच्चों और महिलाओं ने खूब आनंद लिया। बच्चों ने खिलौने, गुब्बारे और मिठाइयां खरीदीं। महिलाओं ने चूड़ियां, बिंदी, कपड़े और श्रृंगार का सामान खरीदा।दुकानदारों ने बताया कि इस बार मेले में अच्छी बिक्री हुई। किसानों ने भी मेले में लगे कृषि प्रदर्शनी का लाभ उठाया और नई तकनीकों की जानकारी ली। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव ने मेले से पहले ही सभी तैयारियों की समीक्षा की थी। मेले में पुलिस, पीएसी, होमगार्ड और सिविल डिफेंस के जवान तैनात किए गए थे। घाटों पर गोताखोर और नाविक तैनात थे। गंगा में बैरिकेडिंग लगाकर स्नान के लिए सुरक्षित क्षेत्र बनाया गया था। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल लगाया गया था। सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेले में अस्थायी अस्पताल और स्वास्थ्य शिविर लगाए गए थे। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम 24 घंटे तैनात रही। एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी। पेयजल और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। नगर पालिका और पंचायत की ओर से सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए कई स्थानों पर बैरियर लगाए गए थे। भारी वाहनों का प्रवेश मेले के दौरान रोक दिया गया था। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए पार्किंग की अलग व्यवस्था की गई थी। इसके बावजूद भीड़ अधिक होने से कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे नियंत्रित किया। मेले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जागरूकता शिविर भी लगाया गया था, जिसमें श्रद्धालुओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग, महिला कल्याण विभाग और अन्य विभागों ने भी अपने-अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। लोगों ने इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाया। मेले में आए श्रद्धालुओं ने प्रशासन की व्यवस्था की सराहना की। श्रद्धालुओं का कहना था कि इस बार मेला पहले से अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित रहा। घाटों पर सफाई, पानी और सुरक्षा की अच्छी व्यवस्था थी। दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों ने भी मेले को सफल बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि तिगरी मेला न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और संस्कृति को भी मजबूत करता है। इस दौरान गंगा आरती का आयोजन भी किया गया। गंगा आरती में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के दौरान पूरा घाट भक्तिमय हो गया। भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों से वातावरण गूंज उठा। साधु-संतों ने श्रद्धालुओं को धर्म और सदाचार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि मां है, जीवनदायिनी है। उसकी स्वच्छता और संरक्षण हम सभी का कर्तव्य है। इस प्रकार तिगरी गंगा मेला एक बार फिर आस्था, श्रद्धा, भक्ति और भाईचारे का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ। खबर लिखे जाने तक श्रद्धालु गंगा स्नान, दान-पुण्य और दीपदान कर अपने घरों को वापस जाना शुरू कर चुके थे, लेकिन उनके मन में गंगा मैया की आस्था और मेले की यादें लंबे समय तक बनी रहेंगी।

राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 का भव्य एवं सकुशल समापन, जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने मीडिया बंधुओं के प्रति व्यक्त किया आभार

मेले की व्यवस्थाओं को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका सराहनीय, सकारात्मक सहयोग एवं सहभागिता के लिए पत्रकारों को दिया धन्यवाद





अमरोहा (सब का सपना):- पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 का कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं द्वारा गंगा स्नान के साथ भव्य एवं सकुशल समापन हो गया। मेले के सफल आयोजन एवं समापन के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने समस्त मीडिया बंधुओं के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव एवं जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश की उपस्थिति में पत्रकार बंधुओं के साथ खिचड़ी भोज किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से संवाद करते हुए मेले की तैयारियों, व्यवस्थाओं, चुनौतियों एवं इस वर्ष किए गए विभिन्न सुधारों पर चर्चा की तथा मेले के दौरान मीडिया बंधुओं द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय गंगा मेला तिगरी जनपद की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण आयोजन है। लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता वाले इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ-साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मीडिया बंधुओं ने मेले के दौरान प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से संबंधित समाचारों, फोटो एवं वीडियो के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां जन-जन तक पहुंचाईं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मेले में पिछले वर्षों की तुलना में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं में सुधार एवं विस्तार किया गया। मेले को 24 सेक्टरों में व्यवस्थित किया गया, सड़कों को चौड़ा किया गया, यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाया गया तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए। विशेष रूप से नेटवर्क एवं इंटरनेट सुविधा में सुधार और तिगरी-गढ़ गंगा को जोड़ने वाले पांटून पुल की व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण एवं सुविधा का केंद्र रही। इन सभी सकारात्मक बदलावों एवं व्यवस्थाओं को मीडिया बंधुओं ने प्रमुखता से प्रकाशित एवं प्रसारित कर मेले की भव्यता और बेहतर प्रबंधन को व्यापक पहचान दिलाई। जिलाधिकारी ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ होने के साथ ही प्रशासन और आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। पत्रकार बंधुओं द्वारा मेले के दौरान निरंतर सहयोग, सकारात्मक सुझाव एवं रचनात्मक सहभागिता प्रदान की गई। उनके अनुभवों एवं सुझावों से भविष्य में भी ऐसे बड़े आयोजनों की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। जिलाधिकारी ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के समस्त पत्रकारों, छायाकारों एवं सोशल मीडिया प्रतिनिधियों का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 का शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न होना जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सभी सहयोगी संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों एवं बेहतर समन्वय का परिणाम है। उन्होंने मीडिया बंधुओं से भविष्य में भी इसी प्रकार सकारात्मक सहयोग एवं सहभागिता बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

संपूर्ण लखनऊ जनपद तक होगा एलडीए का विस्तार, बाराबंकी में नए विकास प्राधिकरण के गठन की तैयारी



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सुनियोजित एवं समग्र विकास के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण की सीमा का विस्तार कर पूरे लखनऊ जनपद को इसके दायरे में लाने की आवश्यकता जताई है। मंगलवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाराबंकी में नए विकास प्राधिकरण के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए भी विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने को कहा। साथ ही, प्रदेश के अन्य विकास प्राधिकरणों की सीमाओं का भी आवश्यकतानुसार विस्तार करने के लिए ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। 'एलडीए का विस्तार जरूरी है' एलडीए के प्रस्तावित सीमा विस्तार पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य राजधानी क्षेत्र में लखनऊ जनपद की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती आबादी की आवासीय, व्यावसायिक और सामुदायिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही राजधानी के बाहरी क्षेत्रों में अवैध एवं अनियंत्रित निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एलडीए का विस्तार जरूरी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1974 में गठित एलडीए का वर्ष 1999, 2009 और 2014 में विस्तार किया गया था। वर्तमान में इसके अधिकार क्षेत्र में नगर महापालिका क्षेत्र और 306 राजस्व ग्राम शामिल हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 1,051 वर्ग किलोमीटर है। विकास को शुरूआत से ही सुनियोजित दिशा लखनऊ से सटे बाराबंकी में भी तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार, औद्योगिक गतिविधियों और आवासीय दबाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने नए विकास प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजधानी के निकट होने के कारण बाराबंकी में भूमि उपयोग और निर्माण गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में जरूरी है कि विकास को शुरूआत से ही सुनियोजित दिशा दी जाए, ताकि भविष्य में बुनियादी ढांचे, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं न पैदा हों। मुख्यमंत्री ने बाराबंकी विकास प्राधिकरण के गठन का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। आर्थिक विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाया जाए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कॉरिडोर उन्मुख विकास की कार्यवाही को उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण में शामिल करते हुए तेजी से आगे बढ़ाया जाए। अधिकारियों ने बताया कि यूपीसीडा की सीमा और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के तीन किलोमीटर दक्षिण के बीच लगभग 470 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 171 गांव और अचलगंज नगर पंचायत शामिल हैं। पिछले एक दशक में इस क्षेत्र का निर्मित दायरा दोगुने से अधिक हो चुका है। वर्ष 2015 में यह 1,962 हेक्टेयर (4.19 प्रतिशत) था, जो वर्ष 2020 में बढ़कर 2,656 हेक्टेयर (5.67 प्रतिशत) और वर्ष 2025 में 3,902 हेक्टेयर (8.33 प्रतिशत) हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस कॉरिडोर का एकीकृत नियोजन करते हुए आर्थिक विकास की संभावनाओं को आगे बढ़ाया जाए। गाजियाबाद में क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण बैठक में मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में 35 से 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन आपसी समन्वय से रेवेन्यू शेयर मॉडल पर निर्माण की संभावनाओं का अध्ययन करें और विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। डीपीआर तैयार करने का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र की जीआईएस आधारित क्षेत्रीय योजना-2051 की प्रगति और प्रस्तावित परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत सर्वेक्षण, बेस मैप तैयार करने और क्षेत्रीय विकास की परिकल्पना से जुड़े प्रारंभिक चरण पूरे कर लिए गए हैं। अब आमजन की आपत्तियों और सुझावों के लिए क्षेत्रीय योजना का प्रारूप तैयार किया जा रहा है, जिसे 30 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समयसीमा में प्रारूप योजना को अंतिम रूप दिया जाए।

तिगरी मेला के मुख्य स्नान पर चाक-चौबंद रही सुरक्षा, पुलिस अधीक्षक ने वॉच टावर और नाव से लिया घाटों का जायजा





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- तिगरी मेला के मुख्य स्नान पर्व पर गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने कार्तिक पूर्णिमा पर मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। मुख्य स्नान को सकुशल और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए अमरोहा पुलिस ने मेला क्षेत्र में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की थी। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने सुबह से ही गंगा घाटों पर पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन, स्नान व्यवस्था, बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती और पुलिस बल की मुस्तैदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद किया और सुरक्षित स्नान के लिए निर्धारित सुरक्षा निदेर्शों का पालन करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने वॉच टावर पर चढ़कर पूरे घाट क्षेत्र की निगरानी की। वॉच टावर से घाटों पर उमड़ी भीड़, स्नान कर रहे श्रद्धालुओं और नावों की आवाजाही पर नजर रखी गई। इसके बाद उन्होंने नाव के माध्यम से गंगा में जाकर घाटों का निरीक्षण किया। नाव से निरीक्षण का उद्देश्य यह था कि गहरे पानी, तेज बहाव वाले स्थानों पर नजर रखी जा सके और किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके। घाटों पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घाटों पर बैरिकेडिंग की गई थी और एक तरफ से प्रवेश और दूसरी तरफ से निकास की व्यवस्था की गई थी। मेला क्षेत्र में जगह-जगह पुलिस पिकेट, कंट्रोल रूम और खोया-पाया केंद्र बनाए गए थे। सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही थी। गोताखोरों की टीम नावों के साथ घाटों पर तैनात थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी एंबुलेंस के साथ मौजूद थी। मुख्य स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने अनुशासन के साथ स्नान किया। पुलिस की सक्रियता के चलते कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने भी पुलिस की व्यवस्था की सराहना की।

चुनाव से पहले ग्राउंड मजबूत करने की जुगत में भाजपा: 26 नवंबर को मनाएगी 'संविधान गौरव दिवस', सांसदों को सौंपी कमान



लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा अपने कार्यक्रमों के जरिए धरातल मजबूत करने में जुटी है। पार्टी 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाएगी, जहां सभी लोकसभा एवं राज्य सभा सदस्यों को मैदान में उतारने की रणनीति है। सांसदों को 26 से 29 नवंबर के बीच एक शैक्षणिक संस्थान में संगोष्ठी आयोजित करना है, जिसमें तीन से चार वक्ता बाबा साहेब और संविधान पर संबोधन देंगे। प्रदेश इकाई ने सभी सांसदों से कार्यक्रम की रूपरेखा मांगा है। प्रदेश महामंत्री एवं संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम के संयोजक दिलीप पटेल ने बताया कि इस दिन मुख्यालय पर प्रबुद्ध जन संवाद, संविधान आधारित झांकी एवं कलात्मक प्रस्तुति, संविधान प्रदर्शनी, साहित्य वितरण, संविधान पुस्तक भेंट एवं सोशल मीडिया पर प्रसार का कार्यक्रम होगा। जिलों के पार्टी कार्यालयों में बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम तय किया गया है। सभी जनप्रतिनिधि एवं संगठन पदाधिकारी बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड करेंगे। सांसदों को अपने पास स्थित विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज एवं उच्च शिक्षण संस्थान में संगोष्ठी आयोजित करना है। इसमें कुलपति, प्रोफसर एवं छात्र शामिल होंगे। भाजपा ने प्रदेश मंत्री वसंत त्यागी एवं अंकुर शर्मा को सह-संयोजक बनाया है। रणनीतिकारों का कहना है कि दलित वोटों को अपने पाले में लाने के लिए भाजपा ने जहां पंचतीर्थ विकसित किया, वहीं संविधान गौरव दिवस को बढ़ चढ़कर मनाएगी।

चांदपुर में भीषण सड़क हादसा, मां-बेटी की दर्दनाक मौत

गंगा स्नान से लौट रहे परिवार की ट्रैक्टर-ट्रॉली को गन्ने से भरे ट्रक ने मारी टक्कर, कई घायल, जेसीबी से निकाला गया ट्रैक्टर चालक





बिजनौर (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा पर नारनौर गंगा घाट पर स्नान कर घर लौट रहे एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब चांदपुर-जलीलपुर मार्ग पर गन्ने से भरे एक ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क पर पलट गई और उसमें सवार लोग नीचे दब गए। हादसे में 35 वर्षीय महिला विमलेश और उनकी आठ वर्षीय बेटी निधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के कई अन्य सदस्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गांव अकबरपुर झोझा निवासी निलेश मंगलवार को अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नारनौर गंगा घाट पर स्नान करने गए थे। गंगा स्नान के बाद सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली चांदपुर-जलीलपुर मार्ग पर गांव अकबरपुर सीमली के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे गन्ने से भरे ट्रक ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया। ट्रैक्टर चालक निलेश करीब आधे घंटे तक ट्रॉली के नीचे दबा रहा। काफी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से उसे बाहर निकाला गया। हादसे में विमलेश और उनकी आठ वर्षीय बेटी निधि की मौत हो गई। वहीं, जानकी और निलेश की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि पूजा, मुन्नी, ओमपाल और प्रिंस को मामूली चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने विमलेश और निधि को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। हादसे की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। एक ही परिवार की मां-बेटी की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। गंगा स्नान कर हंसी-खुशी घर लौट रहा परिवार रास्ते में हुए इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह की अध्यक्षता में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही ईपी रेशियो और जेंडर रेशियो के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित



अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाते हुए अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपादित करने पर जोर दिया।बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा उपस्थित रहीं। इसके अलावा समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी समस्त खंड विकास अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चिमियावली गांव में अवैध मिट्टी खनन पर छापा, पांच वाहन पकड़े

रात तीन बजे खनन विभाग की टीम ने की छापेमारी, सभी वाहनों को थाने में कराया गया सुपुर्द

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह के निर्देशन में मंगलवार तड़के खनन विभाग की टीम ने ग्राम चिमियावली में औचक छापेमारी की। इस दौरान अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते हुए एक एक्सकेवेटर-कम-लोडर और चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों सहित कुल पांच वाहनों को पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब तीन बजे खनन निरीक्षक सम्भल शिवम कुमार



ने अपनी टीम के साथ ग्राम चिमियावली में छापेमारी की। मौके पर अवैध रूप से मिट्टी का खनन होता पाया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खनन में इस्तेमाल किए जा रहे सभी पांच वाहनों को कब्जे में ले लिया। इसके बाद वाहनों को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए संबंधित थाने में सुपुर्द कर दिया गया। खनन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में किसी भी कीमत पर अवैध खनन और खनिजों का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके लिए खनन विभाग की टीमें रात्रि और सुबह के समय भी लगातार निगरानी कर रही हैं। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश लेकर महिलाओं के बीच पहुंची पुलिस

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत मंगलवार को जनपद सम्भल में जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर



महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं और महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा महिला संबंधी शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की जानकारी दी। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना झिझक पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। वहीं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिसकर्मियों ने मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो देकर महिलाओं को आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के तरीके भी समझाए।

वृद्धाश्रम में भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा ने किया खाद्य सामग्री का वितरण

कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर वृद्धजनों के साथ बिताए स्नेहपूर्ण पल





चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा एवं श्री गुरु नानक देव के पावन प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा चन्दौसी की ओर से सेवा और समर्पण की भावना के साथ रामबाग रोड (कैथल रोड) स्थित वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने वृद्धजनों को पकोड़े, समोसे, फल, मेवा, मिठाई, बिस्कुट सहित विभिन्न खाद्य सामग्री वितरित की। इस अवसर पर सदस्यों ने वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनका हालचाल जाना और उनके प्रति आत्मीयता एवं सम्मान प्रकट किया। सेवा कार्य के माध्यम से समाज में मानवता, संवेदना और सहयोग का संदेश दिया गया। शाखा अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद का मूल उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना को मजबूत करना है। जरूरतमंदों और वृद्धजनों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि हमारा नैतिक एवं मानवीय कर्तव्य भी है। शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा और सम्मान से आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में स्नेह, संवेदना और प्रसन्नता के पल जोड़ने में है।

वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनका सम्मान करना हमारी संस्कृति के वास्तविक संस्कार हैं। इस अवसर पर सचिन गुप्ता, डॉ. दुर्गा टंडन, अभिषेक गुप्ता, गिरीन्द्र अग्रवाल, पीयूष बंसल, मुकेश गुप्ता एवं हगपाल सिंह उपस्थित रहे।

एक्सप्रेसवे पर खड़ी स्कूली बस में ट्रक ने मारी टक्कर, चार छात्रों की मौत, 25 घायल

कन्नौज के ठठिया थाना क्षेत्र में टॉयलेट के लिए रुकी थी बस, पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

खागा/फतेहपुर (सब का सपना):- लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार स्कूली छात्रों की मौत हो गई, जबकि 25 बच्चे घायल हो गए। हादसे में फतेहपुर जिले के खखरेरू थाना क्षेत्र और धाता ब्लॉक के दो छात्रों की भी जान चली गई। घटना से दोनों क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस बच्चों को आगरा और मथुरा में पिकनिक कराकर वापस लौट रही थी। बस में 50 छात्र समेत करीब 60 लोग सवार थे। मंगलवार सुबह करीब छह बजे कन्नौज के ठठिया



थाना क्षेत्र में टॉयलेट के लिए बस एक्सप्रेसवे किनारे रोकी गई थी। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई बच्चे घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वालों में फतेहपुर के सरवनपुर नेदौरा निवासी जैद अहमद (17) और धाता ब्लॉक के जहांगीर नगर गहुरे निवासी अरमान (17) शामिल हैं। जैद कक्षा 10 और अरमान कक्षा आठ का छात्र था। इनके अलावा कौशांबी निवासी आर्यन चौरसिया (14) और रजीउल्ला (16) की भी मौत हो गई। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एक छात्र और स्कूल प्रबंधक सलमान की हालत गंभीर होने पर कानपुर हैलेट रेफर किया गया है। डीएम और एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। हादसे की वजह ट्रक चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिसौना डांडा मेले में सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित मेलों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत ने क्षेत्राधिकारी गुन्नौर अंकित मिश्रा एवं क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह के साथ थाना रजपुरा क्षेत्र के सिसौना डांडा मेले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था,



पुलिस प्रबंध एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी और आवागमन के दौरान मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेला परिसर में लगातार सतर्क दृष्टि बनाए रखने, भीड़ को नियंत्रित करने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने को कहा। पुलिस अधिकारियों ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरकों की दुकानों में आकस्मिक की छापेमारी

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के किसान को सुगमता पूर्वक एवं निर्धारित दरों पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी के द्वारा बिलंदा, लोधीगंज फतेहपुर एवं बिसौली, स्थित उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक रूप से छापेमारी की गई। शिवानी खाद भण्डार, न्यू गुप्ता खाद भण्डार, बिलन्दा, कृष्ण खाद भण्डार, न्यू प्रकाश खाद भण्डार, लोधिगंज, आर के मौर्य खाद भण्डार, सुशील ट्रेडर्स जितेंद्र ट्रेडर्स बिसौली, जय करूँ बाबाखाद भण्डार एवं लक्ष्मी ट्रेडर्स जमालपुर का औचक निरीक्षण किया गया। वितरण पंजिका अद्यतन न होने पर शिवानी खाद भण्डार एवं न्यू गुप्ता खाद भण्डार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।मौर्या खाद भण्डार जमालपुर को दुकान बंद कर भाग जाने और सुशील ट्रेडर्स बिसौली द्वारा कृषकों को कैशमेमो



न देने, अभिलेख व वितरण पंजिका, रेट स्टॉक बोर्ड अद्यतन न रखने के करने के कारण उर्वरक लाइसेंस लाइसेंस निलंबित किया गया। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि कृषकों को उनकी जोत (फॉर्मर रजिस्ट्री)के अनुसार, निर्धारित दरों पर व बिना किसी टैगिंग के उर्वरक विक्रय करें।

कृषकों को पास मशीन की पर्ची अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए एवं रेट व स्टॉक बोर्ड भी नियमित अद्यतन रखे अन्यथा उर्वरकों की ओवर रेटिंग मानते हुए उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं में कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पैसों के लेनदेन में युवक पर चाकू से किया था हमला, वांछित आरोपी गिरफ्तार

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के थाना असमोली क्षेत्र में पैसों के लेनदेन को लेकर युवक को रास्ते में रोककर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को असमोली से भूड़ा बेगमपुर जाने वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 16 अक्टूबर को थाना असमोली में इश्तियाक पुत्र भूरा उर्फ



मोहम्मद नवी निवासी ग्राम मिलक खानपुर बंद ने तहरीर देकर बताया था कि पैसों के लेनदेन को लेकर अभियुक्तों ने उनके भतीजे कमरुद्दीन को रास्ते में रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की नीयत से चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी थी। तहरीर के आधार पर थाना असमोली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। मामले में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में मंगलवार को थाना असमोली पुलिस टीम ने मुकदमे में प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त समीर पुत्र अब्दुल वहीद को असमोली से भूड़ा बेगमपुर जाने वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर भी विवेचना की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन गौतस्कर गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर रोड स्थित ग्राम काजीवाला के पास मंगलवार तड़के करीब सवा तीन बजे पुलिस और गौतस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस कार्रवाई में गौवंश काटने की तैयारी कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान तीनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी है। सीएचसी (CHC) में उपचार कराने के बाद पुलिस ने तीनों का चालान कर न्यायालय में पेश कर दिया। सब इंस्पेक्टर सर्वेज खान के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम काजीवाला



के जंगल में एक बैल (गौवंश) को काटने की तैयारी चल रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मंगलवार तड़के सवा तीन बजे मौके पर पहुंची और तीन बदमाशों को घेरकर ललकारा। आरोप है कि बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर हमला करने का प्रयास किया। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें तीनों आरोपियों के पैर में गोली लग गई। एसआई सर्वेज खां के मुताबिक, घायल व गिरफ्तार आरोपियों में मोहल्ला कलालान निवासी सईद अहमद (30 वर्ष) पुत्र यामीन और अब्दुल वाहिद (32 वर्ष) पुत्र अब्दुल वहाब शामिल हैं। इनके अलावा नजीबाबाद के मोहल्ला जाब्तागंज निवासी कासिम पुत्र सईद अहमद को भी गिरफ्तार किया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने तीनों का चालान कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में तीन गौतस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गौवंश का वध करने की तैयारी की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई, सीएचसी में उपचार के बाद तीनों को न्यायालय में किया पेश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर रोड स्थित ग्राम काजीवाला के जंगल में मंगलवार तड़के पुलिस और कथित गौतस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में तीनों आरोपियों के पैरों में गोली लगने से वे घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर सीएचसी में उपचार कराया। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार तड़के करीब सवा तीन बजे उपनिरीक्षक सर्वेज खां को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम काजीवाला के जंगल में कुछ लोग एक बैल का वध करने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों को घेरकर आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें तीनों आरोपियों के पैरों में गोली लग गई।पुलिस ने घायल अवस्था में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहल्ला कलालान निवासी सईद अहमद (30) पुत्र यामीन, अब्दुल वाहिद (32) पुत्र अब्दुल वहाब तथा नजीबाबाद के मोहल्ला जाब्तागंज निवासी कासिम पुत्र सईद अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। उपचार के बाद पुलिस ने तीनों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया।

सऊदी अरब में हार्ट अटैक से मौत, युवक का शव नगीना लाने में जुटे

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- रोजी-रोटी कमाने सऊदी अरब गए 27 वर्षी आदिल की अचानक हार्ट अटैक होने से मौत हो गई आदिल की मौत का समाचार सुनते ही परिजनो में कोहराम मचा है। आदिल का शव नगीना लाने के लिए प्रयास तेज। स्थानीय मोहल्ला काजी सराय निवासी आदिल 27 वर्ष पुत्र पुत्र मुकर्रम महज 5 माह पूर्व ही आदिल रोजी-रोटी की तलाश में सऊदी अरब गया था। वहां वह रियाद में सैलून में काम करता था आदिल की



सोमवार को अचानक हार्ट अटैक होने से इंतकाल हो गया यह खबर सुनते ही परिवार में कोहराम वे मातम छा गया, देखते ही देखते आदिल के आवाज पर पास पड़ोस वे रिश्तेदारों का रिश्तेदारों का जमघट लग गया और हर किसी की आंखें नम दिख रही थी। मृतक आदिल अपने पीछे पत्नी, 3 मासूम बेटियां और एक बेटे एवं परिवार को रोता-बिलखता छोड़ गया है। पत्नी बेसुध हो गई, बच्चों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। माता-पिता और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया है कि सऊदी में मौजूद मृतक के भाई ने आदिल का शव को भारत लाने की औपचारिकताएं शुरू कर दी हैं।

पाशा के खिलाफ साजिश रचे जाने की आलोचना, दलालों के गिरोह का विरोध करना पड़ा भारी?

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा के विरूद्ध नगीना में दर्ज हुए मुकदमे में साजिश रचने वालों की आलोचना हो रही है। समर्थक पाशा को बेगुनाह बताते हुए मांग कर रहे है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। साथ ही साजिश रचने वालों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार नगीना में सीओ साहब के साथ राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने गुलदस्ता देते हुए फोटो खिचवाया था। आमतौर पर जनपद में जब भी कोई अधिकारी आता है, तो एमआर पाशा उनसे मुलाकात कर संगठन की तरफ से उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हैं। उन्होंने अब तक सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों को गुलदस्ता भेंट किया है। इसी क्रम



में वह नगीना गए थे। एमआर पाशा का कहना है कि उन्होंने नगीना में लिए गये फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल किया था। लेकिन कुछ तत्वों ने उस फोटो को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं लगातार दलालों के गिरोह का विरोध कर रहा हूं। उन्होंने कई दलालों की दुकानें बंद करा दी है। जिसकी वजह से दलाल उनसे रंजिश रखते है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ दलालों के द्वारा ही साजिश रची गई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिरकार मैं फोटो एडिट कर सीओ साहब का नाम बदलने का काम क्यों करूंगा और इससे मुझे क्या फायदा होगा। उन्होंने कहा कि आज तक मैंने कभी भी फोटो एडिट नहीं किया है और न ही किसी के नाम का फायदा उठाया है। उन्होंने कहा कि मेरी तमाम आईएएस व आईपीएस अधिकारियों से मुलाकात हो चुकी है। उनके सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध रहे हैं। मैंने कभी भी इन संबंधों का नाजायज फायदा नहीं उठाया है। नगीना सीओ सर्किल क्षेत्र में उनकी कोई कॉलोनी नहीं कट रही है
और न ही वह दलाली करने के लिए थाने जाते है। उन्होंने कहा कि मेरी छवि खराब करने के लिए साजिश रचने वालों को बेनकाब किया जाना चाहिए। दूसरी तरफ पाशा के समर्थकों का कहना है कि पूरे मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए। वह पूरी तरह से बेगुनाह है और उनके दामन पर किसी तरह का कोई दाग नहीं है। समर्थकों का कहना है कि अगर ईमानदारी से पूरे मामले की जांच हो जाए, तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन

धूमधाम से मनाया श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव गुरुद्वारा संत सभा निकट एसडीएम कोर्ट नगीना में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में कथा विचार, कीर्तन एवं लंगर का आयोजन हुआ। इस अवसर गुरु घर को फूलों से विशेष रूप से सजाया गया। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में दिनांक 22 नवम्बर को आरंभ हुए श्री अखंड पाठ साहिब के पाठ की संपूर्णता सुबह 10:00 बजे गुरुद्वारा दीवान हाल में हुई। इसके बाद कीर्तन दरबार का आयोजन दीवान हाल में किया गया, जिसमें बाबा उधम सिंह, साहिब सिंह,गुरुदत्त सिंह ने अपने रूहानी कीर्तन द्वारा संगतों को निहाल किया और गुरु नानक देव जी के जन्म की साखी की कथा सुनाई। भाई अमीर सिंह और भाई हरदयाल सिंह सोढ़ी ने गुरु नानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। भाई कृष्ण सिंह ,भाई रामधन सिंह, भाई महिपाल सिंह ने श्री गुरु नानक देव जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और सभी संगतों से गुरु नानक देव जी द्वारा दिखाए रास्ते पर चलने का अनुरोध किया । दोपहर लगभग 1:30 बजे सरबत दे भले की अरदास के बाद लंगर का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने लंगर को छका। अरदास के बाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरुद्वारा तथा लंगर की सेवा से जुड़े लोगों को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना सरदार केवल पाल सिंह ,गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह, भाई तारा सिंह, भाई रामधन सिंह, बाबा उधम सिंह, साहिब सिंह ,हरमीत मल्होत्रा ,मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह , शिवा मिगलानी, हरविंदर कौर, बक्शीस सिंह ,बाबू चंद्रपाल सिंह,कुशदीप सिंह, रोहित रवि, अनूप वाल्मीकि, सोहन सिंह, नरेश कुमार, एड प्रबोध कुमार, विकास अग्रवाल, डॉक्टर भूपेश, मनोज टंडन ,नीरज विश्नोई, दीपक मल्होत्रा ,चारु मल्होत्रा, अनमोल,पूजा,अजीत कौर, रमिंदर कौर, अवनीत कौर,प्रीत टंडन आदि सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नगीना द्वारा गुरुद्वारे आए सभी परिवारों का बहुत-बहुत धन्यवाद किया गया और सभी संगतों से आगे भी इसी तरह के सहयोग की अपील की।

चिड़ियापुर में कई महीनों से बंद पड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण

आरटीआई कार्यकर्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को भेजा शिकायत पत्र, कुंभ मेले से पहले निर्माण पूरा कराने की मांग

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- हरिद्वार हाईवे पर चिड़ियापुर (लालढांग) में हाथियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए बनाया जा रहा एलिवेटेड कॉरिडोर (फ्लाईओवर) पिछले कई महीनों से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य बंद होने के कारण जहां यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहीं हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री को शिकायत पत्र भेजकर निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। मनोज शर्मा ने शिकायत में बताया कि वन क्षेत्र से गुजरने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से



एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा था, लेकिन पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य बंद पड़ा है। इसके चलते वर्तमान में सड़क पर केवल एक लेन से ही दोनों ओर का यातायात संचालित हो रहा है। ऐसे में आमने-सामने से भारी वाहनों के आने पर चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ मेले के दौरान हरिद्वार पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी। ऐसे में यदि निर्माण कार्य समय रहते पूरा नहीं हुआ तो हाईवे पर लंबा जाम लगने की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ सकती है।आरटीआई कार्यकर्ता ने केंद्रीय मंत्री से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए। साथ ही परियोजना की वर्तमान स्थिति की जांच कर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए तथा निर्माण पूरा होने तक यातायात सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि यह मामला जनहित और सड़क सुरक्षा से जुड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे समय से अधूरा पड़ा निर्माण कार्य क्षेत्र के यातायात को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्रीय मंत्रालय मामले का संज्ञान लेकर जल्द आवश्यक कार्रवाई करेगा।

गन्ना मूल्य वृद्धि और गुलदारों के आतंक को लेकर भाकियू कृषि क्रांति ने सौंपा ज्ञापन

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन कृषि क्रांति अराजनीतिक के युवा जिलाध्यक्ष फहीम मिर्जा के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गन्ना मूल्य वृद्धि समेत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन बिजनौर सदर एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि लगातार बढ़ती महंगाई, खाद, बीज, डीजल, बिजली एवं कृषि उपकरणों की कीमतों ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है। ऐसे में गन्ने का उचित मूल्य बढ़ाया जाना किसानों के हित में बेहद जरूरी है, ताकि उन्हें उनकी मेहनत का सही प्रतिफल मिल सके। इसके साथ ही बिजनौर जनपद में गुलदारों के बढ़ते आतंक का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। बताया



गया कि जनपद के खेतों में सात सौ से अधिक गुलदार छिपे होने की आशंका है, जिसके चलते किसान और ग्रामीण भय के माहौल में खेती करने को मजबूर हैं। खेतों में काम करने वाले किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। ज्ञापन में बिजनौर को गुलदार मुक्त बनाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार किए जाने, गांवों और खेतों के आसपास वन विभाग की गश्त बढ़ाई जाने, गुलदारों की निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाए जाने तथा प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने व आवारा पशुओं पर अंकुश लगाने की मांग रखी गई। इस अवसर पर युवा जिलाध्यक्ष फहीम मिर्जा ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसान दिन-रात मेहनत करके देश का पेट भरता है, लेकिन आज उसे अपनी फसल का उचित मूल्य पाने और खेतों में सुरक्षित काम करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन कृषि क्रांति (अराजनीतिक) किसानों की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो संगठन किसानों के हित में आगे भी आंदोलन और संघर्ष करने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर जिला महासचिव विशाल राही, दानिश शेख, तहसील अध्यक्ष हैप्पी शर्मा, यूसुफ, निहालुद्दीन, चेतन सिंह, रिजवान, अखलाक आदि मौजूद रहे।

विदुर कुटी गंगा मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

हर-हर गंगे के जयकारों से गूंजे घाट, स्नान-दान के साथ श्रद्धालुओं ने मेले का भी लिया आनंद





बिजनौर (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर ऐतिहासिक विदुर कुटी गंगा मेले में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंगलवार तड़के से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई दी। स्नान के दौरान हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान, दान-पुण्य और पूजा-अर्चना की धार्मिक परंपरा निभाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित मेले में पहुंचे। कई परिवारों ने अपने बच्चों के मुंडन संस्कार भी कराए। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। मेले में धार्मिक आस्था के साथ मनोरंजन और खरीदारी का भी उत्साह देखने को मिला। विभिन्न प्रकार की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने खिलौनों और झूलों का आनंद लिया, वहीं महिलाओं और बुजुर्गों ने मेले में खरीदारी की। सुबह से शाम तक विदुर कुटी क्षेत्र में श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही।
कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विदुर कुटी गंगा मेला श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक परंपराओं के अद्भुत संगम के रूप में नजर आया। गंगा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने मेले की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा, चार लोग डूबे, एक बालिका को बचाया

गहरे पानी में समाए परिवार के तीन सदस्य, निजी गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तलाश में जुटीं, गांव में मचा कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा स्नान के दौरान नांगल सोती थाना क्षेत्र के गंगा घाट पर बड़ा हादसा हो गया। गंगा में स्नान कर रहे एक परिवार के चार सदस्य अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने किसी तरह एक दिव्यांग बालिका को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंगा की तेज धारा में समा गए। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे परिवार के लोग गंगा घाट पर स्नान कर रहे थे। इसी दौरान गहरे पानी का अंदाजा नहीं लगने से चार सदस्य डूबने लगे। शोर मचने पर आसपास मौजूद श्रद्धालुओं ने बचाव का प्रयास करते हुए एक 14 वर्षीय दिव्यांग बालिका को बचा लिया, लेकिन गुड़िया (22 वर्ष), सूरज (16 वर्ष) और हर्ष



सैनी (18 वर्ष) का कोई पता नहीं चल सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। लापता लोगों की तलाश के लिए निजी गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ और एसडी आरएफ की टीमों को लगाया गया है। मोटरबोट के माध्यम से भी गंगा में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि काफी प्रयासों के बावजूद समाचार लिखे जाने तक तीनों का कोई सुराग नहीं लग पाया था।इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। लापता लोगों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन गंगा घाट पर अपनों के सकुशल मिलने की आस लगाए बैठे हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन की टीमें लगातार तलाश अभियान में जुटी हुई हैं।

संक्षिप्त डायरी

नोएडा के सेक्टर-4 में प्लास्टिक फूल बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग, 25 गाड़ियों ने पाया काबू

एजेंसी

नोएडा। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-4 स्थित बी-134 में 23 नवंबर की देर रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां आर्टिफिशियल प्लास्टिक फूल बनाने वाली एक चार मंजिला कंपनी में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेज हो गईं कि उन्होंने पड़ोस में स्थित एक अन्य कंपनी को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया गया। जिस समय कंपनी में आग लगी, उस वक्त इमारत के बेसमेंट के अंदर दो लोग सो रहे थे। आग की लपटें ऊपर की मंजिलों में तेजी से फैल रही थीं। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने मौके पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बेसमेंट में सो रहे दोनों लोगों को बिना किसी नुकसान के सकुशल बाहर निकाल लिया। इस पूरी घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने या जनहानि की खबर नहीं है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने एक के बाद एक कई गाड़ियां मौके पर रवाना कीं। आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए दमकल की कुल 25 गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद जब आग बुझ गई, तो दमकलकर्मियों ने तुरंत कूलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी, ताकि इमारत के किसी हिस्से में दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के अनुसार, रात करीब एक बजे कंपनी में अज्ञात कारणों की वजह से अचानक आग लग गई थी। आग फैलने के कारण पास की दूसरी कंपनी भी इसकी जद में आ गई, जिससे दोनों ही कंपनियों के अंदर रखा भारी मात्रा में सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने जानकारी दी कि फिलहाल मौके पर कूलिंग का काम चल रहा है। इसके साथ ही आग लगने के असली कारणों की जांच की जा रही है और दोनों कंपनियों में हुए कुल नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

किसानों का धरना स्थगित हुआ

एजेंसी

नोएडा। एनटीपीसी दादरी परियोजना से प्रभावित 24 गांवों के किसानों ने एनटीपीसी गेट पर 25 नवंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है। अधिकारियों से समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने यह फैसला लिया है। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी मेधा रूपम और अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय सिंह से मुलाकात की और बढ़े हुए मुआवजे से संबंधित न्यायालय के आदेश उन्हें सौंपा। भारतीय किसान यूनियन मंच के जिला प्रभारी अजब सिंह भाटी ने कहा कि किसान अपने हक से पीछे नहीं हटेंगे। तय समय तक समाधान नहीं हुआ तो दोबारा आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसान लंबे समय से अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर सुखपाल भाटी, अन्नू सरपंच, विकास रूपवास, सत्यवीर फौजी, धूम सिंह, विजय भगत, भूपेंद्र मुखिया और प्रदीप कसाना आदि मौजूद रहे।

पेंशनरों के लिए विशेष कैंप लगेंगे

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनरों द्वारा वर्ष में एक बार किसी भी माह में जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत किए जाने की व्यवस्था है, जो एक वर्ष तक प्रभावी रहता है। वर्तमान में पेंशनरों को कोषागार में उपस्थित हुए बिना भी जीवित प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। पेंशनर अपनी बैंक शाखा या जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से अपने निवास स्थान से मोबाइल द्वारा अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते है। इसके लिए पेंशनर को अपने मोबाइल में आधार फेस आरडी ऐप एवं जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है। उत्तर प्रदेश शासन ने डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र के अधिकाधिक उपयोग के क्रियान्वयन के लिए 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक दनकौर ब्लाक परिसर में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कोषाधिकारी शिखा गुप्ता ने बताया कि दनकौर में निवास करने वाले सभी पेंशनरों से अपील है कि जिन पेंशनरों ने अबतक अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया, वे शिविर में डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। शिविर में आने वाले सभी पेंशनर अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

जेवर में हुआ 125 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन

एजेंसी

नोएडा। जेवर क्षेत्र में आंखों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा मिल रही है। नवंबर 2025 से नवंबर 2026 तक जेवर ब्लॉक के 124 मरीज अपनी आंखों का ऑपरेशन करा चुके हैं। यह सुविधा जेवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और नोएडा के एक निजी आई केयर अस्पताल के बीच हुए आपसी समझौते के तहत उपलब्ध कराई जा रही है। जेवर सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ सर्फे जेया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से मरीजों को ऑपरेशन के लिए संबंधित अस्पताल भेजा जाता है। मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन के साथ दवाइयों, अस्पताल में ठहरने और आने-जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

नोएडा। बीआरसी कार्यालय जेवर में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्षों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने की। इसमें विकासखंड के 113 विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति स्कूल और समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 6980 वाहनों के ई-चालान

एजेंसी

नोएडा। जिले में सोमवार को यातायात पुलिस ने जांच अभियान चलाया। इसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 6980 वाहनों के ई-चालान और आठ गाड़ियां सीज की गई। यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यातायात पुलिसकर्मियों ने 2883 चालान और आईएसटीएमएस कैमरों से 4097 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट 2410 वाहनों के चालान किए गए। विशेष अभियान के तहत नो पार्किंग के कारण 726, बिना सीट बेल्ट 176, लाल बत्ती के उल्लंघन पर 298, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 129, तेज गति में वाहन दौड़ाने की वजह से 361 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण 67 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, सेक्टर 128 स्थित ज्ञानश्री पब्लिक स्कूल में छात्र छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

मरीज से गलत व्यवहार पर ईएमओ को नोटिस

एजेंसी

नोएडा।आपातकालीन विभाग में मरीज से गलत व्यवहार पर इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (ईएमओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं एक अन्य मामले में सोमवार को स्वास्थ्यकर्मी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। आपातकालीन विभाग में मरीज की शिकायत पर ईएमओ को नोटिस जारी किया गया है। वहीं, एक स्वास्थ्यकर्मी ने गाड़ी सही स्थान पर खड़े करने के लिए कहने पर सुरक्षा गार्ड से बदसलूकी की। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. डॉ. अशोक कुमार झा ने बताया कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी का व्यवहार मरीजों के साथ अच्छा होना चाहिए। मरीज पहले से ही परेशान होते हैं। ऐसे समय में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को सही व्यवहार करना चाहिए। भविष्य में मरीजों के साथ गलत व्यवहार होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ किसान महापंचायत का ऐलान, बीकेयू ने नलगाड़ा में बनाई रणनीति

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में किसानों की रुकी हुई मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन फिर से तेज होने जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से किसान महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। संगठन ने जिले के इन तीनों विकास प्राधिकरणों के विरोध में बड़े स्तर पर महापंचायत की तैयारी की है। आंदोलन की ठोस रणनीति बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा स्थित नलगाड़ा कार्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गौतमबुद्ध नगर जिले के अंतर्गत आने वाली सभी तहसीलों, ब्लॉकों और गांवों के किसान पदाधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में किसानों की वर्तमान समस्याओं पर विचार किया गया। इसके



साथ ही महापंचायत की आगे की तैयारियों और अलग-अलग पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गईं। नोएडा के नलगाड़ा कार्यालय में संपन्न हुई इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता सवेरा मास्टर ने की। बैठक की कार्यवाही का संचालन जेवर के जिला अध्यक्ष रॉबिन नागर और संगठन के जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने किया। बैठक समाप्त होने के पश्चात भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता पवन खटाना ने किसानों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। पवन खटाना ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिले का किसान अब सिर्फ अधिकारियों के आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होने वाला है। पवन खटाना ने कहा कि तीनों प्राधिकरण और शासन किसानों की अधिग्रहित जमीन पर लगातार विकास कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद जिन किसानों की जमीनें ली गई हैं, उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड, जमीनों की बैकलीज, किसान परिवारों के लिए रोजगार और पारदर्शी मुआवजा किसानों का अधिकार है, यह कोई भीख नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि संगठन इस विषय पर पहले भी कई बार बातचीत कर चुका है और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे जा चुके हैं। लेकिन जब तक मांगों पर लिखित फैसला नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि तीनों प्राधिकरणों के कार्यालयों पर महापंचायत आयोजित की जाएगी और जरूरत पड़ी तो इस आंदोलन को दिल्ली तक ले जाया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी किसानों, युवाओं और पदाधिकारियों से एकजुट होकर महापंचायत में पहुंचने की अपील की। हालांकि, महापंचायत की तय तारीख और स्थान की घोषणा होना अभी बाकी है। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने संगठन की रणनीति साझा की। सुनील प्रधान ने कहा कि समीक्षा बैठक में संगठन ने किसान महापंचायत को सफल बनाने के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसके लिए संगठन की तरफ से गांव-गांव जाकर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। महापंचायत वाले दिन प्रत्येक गांव से किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर सीधे महापंचायत स्थल की ओर कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि महापंचायत आयोजित करने की सटीक तारीख और स्थान की घोषणा जल्द ही आधिकारिक रूप से कर दी जाएगी। किसानों की प्रमुख मांगें और बैठक में उपस्थित पदाधिकारी समीक्षा बैठक के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र नागर ने किसानों की विभिन्न लंबित मांगों को प्रमुखता से रेखांकित किया। सुरेंद्र नागर ने मांग रखी कि किसानों को 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड का तत्काल आवंटन किया जाए। इसके अलावा उन्होंने बैकलीज तथा पुश्तैनी आबादी के मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, भूमि अधिग्रहण के एवज में उचित मुआवजा देने और नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ प्रदान करने की मांग की। उन्होंने प्रभावित किसान परिवारों के युवाओं को रोजगार देने और गांवों में सड़क, नाली, पीने का पानी तथा सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यू नोएडा सहित तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों के किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

अधिसूचित जमीन पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी



एजेंसी

नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र की जमीन पर कॉलोनाइजर अवैध कॉलोनी काट रहे हैं। जगनपुर-अफजलपुर की जिस जमीन पर कॉलोनी काटी जा रही है, वहां ग्रीन बेल्ट प्रस्तावित है। यीडा ने जिस किसान की जमीन का अधिग्रहण किया था, अब उस किसान ने जमीन वापस मांगी है। किसान का कहना है कि यदि प्राधिकरण उनसे खरीदी जमीन पर परियोजना में नहीं ला रही है तो उसे वापस किया जाना चाहिए। खेड़ा चौगानपुर गांव के निवासी संदीप भाटी ने इसको लेकर यमुना प्राधिकरण में शिकायत की है। जगनपुर अफजलपुर गांव में उसकी साढ़े 22 बीघा जमीन थी। यीडा ने साढ़े 21 बीघा जमीन का अधिग्रहण कर लिया। उसे मुआवजा मिल चुका है। बताया कि प्राधिकरण ने उसकी जमीन खरीदी थी, लेकिन वहां कॉलोनी काटी जा रही हैं। कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। कॉलोनाइजर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर भूखंड बेच रहे हैं, जबकि यह जमीन यीडा की है। वैसे भी अधिसूचित एरिया में इस तरह की गतिविधियां नहीं हो सकती हैं। पिछले हफ्ते यीडा के सीईओ आरके सिंह से शिकायतकर्ता संदीप भाटी ने मुलाकात की थी। उन्हें पूरा मामला भी बताया था। संदीप ने सीईओ से मांग की यदि उसकी जमीन पर योजना नहीं है तो उसे वापस कर दी जाए। वह मुआवजा वापस कर देगा। संदीप ने बताया कि प्राधिकरण की जमीन पर प्लाटिंग की जा रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

गांजा तस्करी समेत विभिन्न मामलों में 9 गिरफ्तार, 20.6 किलो गांजा और नकली मार्का के 227 पाइप बरामद

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार, शराब और नकली उत्पादों के मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-24 पुलिस और एंटी नारकोटिक्स सेल ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया। वहीं, अन्य थाना क्षेत्रों में अवैध चाकू, देशी शराब और नकली मार्का लगे पाइप बरामद किए गए हैं। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक उमेश नैथानी ने बताया कि स्थानीय खुफिया सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से गांजा तस्करी करने वाले अजय कुमार निवासी अलीगढ़ और राजेश साह निवासी खगड़िया, बिहार को आरटीओ कार्यालय के पीछे गंदे नाले के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से एक सूटकेस में रखे बंडलों से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10



लाख रुपये बताई गई है। पुलिस को यात्रा से संबंधित टिकट की छायाप्रति भी मिली है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दूसरे राज्यों से ट्रेन के जरिए गांजा लाकर नोएडा और एनसीआर में पुड़िया बनाकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। थाना फेस-1 पुलिस ने सेक्टर-14 के पास राहुल निवासी पारस सिंह को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला के अनुसार आरोपी के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में उसके चोरी की नीयत से घूमने की जानकारी सामने आई है। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडे के अनुसार अनिल प्रजापति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 26 पव्वे देशी शराब बरामद की गई। वहीं, बरौला गांव के पास से ऋतिक पंडित को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से अवैध चाकू मिला। दादरी पुलिस ने भी अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा के मुताबिक शमशाद अबासी, दीन मोहम्मद उर्फ गुड्डन और ब्रह्मजीत को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। तीनों के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुए हैं। उधर, बादलपुर थाना क्षेत्र के बिसरख मोड़ के पास तिरुपति एन्क्लेव कॉलोनी में सैनिटरी की दुकान पर छापा मारकर पुलिस ने सुप्रीम कंपनी के नकली मार्का लगे 227 प्लास्टिक पाइप बरामद किए। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के न्यू अशोक नगर, वसुंधरा एन्क्लेव निवासी दीवान सिंह क्यूआईआईपी कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि हैं, जिन्हें कंपनी के असली और नकली उत्पादों की पहचान का अधिकार है।

नोएडा सेक्टर 140ए में हुआ नई पुलिस चौकी का शुभारंभ

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-137 के समीप सेक्टर-140ए स्थित साइबरथ्म पुलिस चौकी का शुभारंभ क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई पुलिस चौकी शुरू होने से सेक्टर-137 और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा के लिहाज से बेहतर पुलिस व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। पुलिस चौकी के उद्घाटन अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह का स्वागत किया। इसके बाद पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्मित पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में एक्सोटिका फ्रेस्को एओए की अध्यक्ष कविता कुमार राजेश, पारस टिएरा के अध्यक्ष सुखपाल सिंह राणा, गुलशन



विवांते के अखिल अग्रवाल सहित विभिन्न सोसायटियों के प्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि और सामुदायिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता ने कहा कि सेक्टर-137 के नजदीक एक और पुलिस चौकी की स्थापना स्वागत योग्य पहल है। इससे क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति बढ़ेगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई चौकी से सेक्टर-137 के साथ-साथ आसपास के सेक्टरों में रहने वाले लोगों के बीच सुरक्षा की भावना और मजबूत होगी। दासगुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नई पुलिस चौकी का शुभारंभ स्थानीय निवासियों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छपरौला में 3 एकड़ जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त, 24 करोड़ की संपत्ति से हटाया अवैध कब्जा

एजेंसी

नोएडा।। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को छपरौला स्थित सहारा समतल में अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर करीब तीन एकड़ (12 हजार वर्ग मीटर) जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई। मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 24 करोड़ रुपये है। सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक चली कार्रवाई में अवैध रूप से बने कई मकान, प्रॉपर्टी डीलरों की दुकानें और जमीन पर कब्जे के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल ध्वस्त कर दी गईं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर परियोजना विभाग की टीम जेसीबी और डंपर लेकर मौके पर पहुंची। कार्रवाई का नेतृत्व ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने किया। टीम में उप महाप्रबंधक परियोजना विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक नीतीश कुमार, सहायक प्रबंधक भूपेंद्र त्यागी सहित बादलपुर कोतवाली पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्तीकरण अभियान पूरा किया। इसके बाद परियोजना विभाग के वर्क सर्किल-1 की टीम वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर के नेतृत्व में शाहबेरी पहुंची, जहां एक जर्जर मकान को सील करने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस की मदद से सीलिंग की कार्रवाई पूरी की जाएगी। मौके पर चौकी प्रभारी



विपिन कुमार और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि सहारा समतल क्षेत्र प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। यहां बिना अनुमति निर्माण करने की छूट नहीं है। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी। सीईओ डॉ. बलकार सिंह ने अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल को अभियान चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त करने की हिदायत दी गई है। एसीईओ सुमित यादव ने लोगों से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर उसकी पूरी जानकारी लें और अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई निवेश करने से बचें।

प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी में भीषण आग

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-छह स्थित प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने वाली एक कंपनी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। प्लास्टिक सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग तेजी से फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल की 25 गाड़ियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे से इलाके में अफरातफरी मच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-छह में स्थित निजी कंपनी में देर रात अचानक आग लग गई। शुरूआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले



लिया। आग की भयावहता को देखते हुए विभाग को तत्काल सूचना दी गई। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार की गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान तैयार किया जाता है। ऐसे में परिसर में प्लास्टिक से बनी सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं मौजूद होने के चलते आग तेजी से फैल गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब पांच घंटे तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने के बाद भी किसी प्रकार की दोबारा आग लगने की आशंका को खत्म करने के लिए दमकल विभाग की ओर से कूलडाउन (कूलिंग) प्रक्रिया जारी रखी गई। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बना रहा। आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोग बाहर निकल आए। हालांकि, रविवार का दिन होने के चलते आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोगों की संख्या अधिक नहीं थी। फेज-वन थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकलकर्मियों के लिए रास्तों को साफ कराया। आग बुझने तक पुलिस मौजूद रही। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। 25 दमकल गाड़ियों के साथ चलाया गया अभियान आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़े स्तर पर संसाधन लगाए। आग बुझाने के लिए 25 गाड़ियों के अलावा वॉटर टावर, थर्मल इमेजिंग कैमरा, रिवॉल्विंग मॉनिटर और रोबोट जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। दमकलकर्मियों ने अलग-अलग दिशाओं से आग बुझाने का अभियान चलाया। इस दौरान बगल की बिल्डिंग में फैली आग पर भी काबू पाया गया। आग बुझने के बाद सोमवार शाम तक तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका को खत्म किया जा सके। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका शुरूआती जानकारी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। कंपनी में प्लास्टिक और सजावटी उत्पादों से जुड़ी सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई गई है। राहत की बात यह है कि घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से कंपनी की इमारत और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। औद्योगिक क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा पर फिर उठे सवाल सेक्टर-छह में हुई आग की इस घटना ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। औद्योगिक इकाइयों में बिजली के उपकरणों, वायरिंग और ज्वलनशील सामग्री की मौजूदगी को देखते हुए नियमित सुरक्षा जांच बेहद जरूरी है। इस घटना के बाद संबंधित विभागों की जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि आग किन परिस्थितियों में लगी और कंपनी में अग्नि सुरक्षा के क्या इंतजाम थे।

मोटापे से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं एक्यूप्रेशर तकनीक

मोटापे से परेशान लोग वजन घटाने के लिए व्यायाम, योगा, खाने पर कंट्रोल क्या कुछ करते हैं। कुछ लोग जिम जाकर घंटो एक्सरसाइज करके पसीना बहाते हैं। कई बार ज्यादा देर जिम करने से कई तरह की शरीरिक प्रॉब्लम भी शुरू हो जाती है। ऐसे में वजन घटाने के लिए आप एक्यूप्रेशर तकनीक को भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें शरीर के बिंदुओं को दबाना होता है। जिससे आपको भूख कम लगेगी और आपके वजन पर भी कंट्रोल होगा। मानव शरीर पर ऐसे बिंदु होते हैं जिसे दबाने से कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है और मोटापे को भी कम किया जा सकता है। एक्यूप्रेशर तकनीक यूज करते हुए एक बात का ध्यान रखें कि अपने खाने पर कंट्रोल करें और जितना हो सके पानी पीएं।

कान



कान के पास के बिंदु को दबाने से भूख पर कंट्रोल होता है और जरुरत से ज्यादा खाने की आदत से छुटकारा होता है। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाते हुए कान के पास फ्लैप हिस्से को दो से तीन मिनट तक दबाना होगा। वैसे तो आप इस तकनीक को सुबह या शाम किसी भी वक्त अपना सकते हैं। लेकिन सुबह के समय इस हिस्से को दबाना ज्यादा बढ़िया रहेगा।

हाथ

हथेलियों पर इस तकनीक को अपनाने के लिए अंगूठे के पास वाले उभरे हिस्से को प्रतिदिन दो मिनट तक दबाना होगा। इसे दबाने से आपका डाइजेशन इंप्रूव होगा और बहुत ही तेजी से वजन घटना शुरू होगा।

पैर

पैर पर इस तकनीक को अप्लाई करने के लिए एंकल प्वांइट मतलब एड़ी के ऊपर वाले हिस्से की हड्डी के पीछे की ओर यहां पर खत्म होती है। उसे अपने हाथ की उंगली और अंगूठे से दबाने से भूख पर कंट्रोल होगा जिससे वजन भी कम होगा।

पेट

अगर आप पेट के मोटापे से परेशान हैं तो आप अपनी नाभि से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो उंगलियों से कुछ मिनट तक प्रेशर दें। ऐसा करने से आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा।

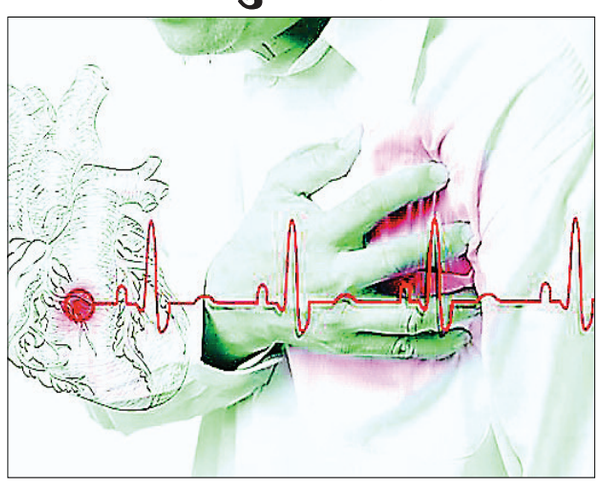
कोहनी

मोटापे पर काबू पाने के लिए आप अपनी कोहनी के जोड़ ऊपरी हिस्से को पांच से सात मिनट तक दबाएं। इस प्रक्रिया को आप दोनों साइड दोहरा सकते हैं।

जानिए महिलाओं में

हार्टअटैक

के 5 प्रमुख लक्षण...



पुरुष और महिलाओं में शारीरिक संरचना, हार्मोन्स के अलावा भी अंतर पाए जाते हैं, यही कारण है कि दोनों में किसी भी बीमारी के लक्षण, तीव्रता आदि में भी फर्क होता है। जानिए महिलाओं में हार्ट अटैक के यह 5 लक्षण-

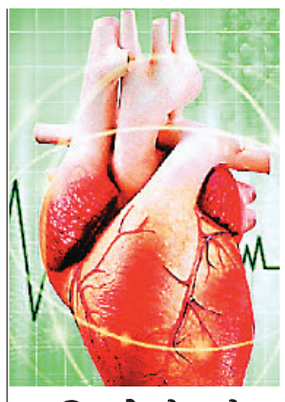
1 थकान- लंबे समय तक आराम करने के बावजूद अगर आप थकान महसूस कर रही है, किसी काम में मन नहीं लग रहा और घबराहट महसूस हो रही है, तो डॉक्टर से संपर्क करने में देर न करें।

2 सीने में दर्द- तेज बेचैनी के साथ सीने में दर्द महसूस होना और सीने पर काफी भारीपन या भी दबाव महसूस होना भी हृदय समस्या या दिल के दौरे की आहट हो सकती है।

3 पसीना- पेट में तेज दर्द होना या फिर तेजी से पसीना निकलना भी इन लक्षणों में शामिल है। खास तौर से जब आपको ठंडा पसीना निकल रहा हो, तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

4 सांस- इस स्थिति में सांस लेने में काफी परेशानी होती है। अगर आपको कभी भी महसूस हो कि आप सहजता से सांस नहीं ले पा रही हैं तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

5 दर्द- पीठ दर्द, हाथ व जबड़ों में दर्द के साथ खिंचाव महसूस होना भी हृदय समस्या का एक लक्षण है। इस बारे में आपको ही सतर्क रहने की आवश्यकता है।



जानिए कैसे करें दिल की सुरक्षा

हार्टअटैक के बाद कुछ ऐसी गलतियां है जो कि भूलकर भी हमें कतई नही करनी चाहिए। आजकल हमारी बदलते लाइफस्टाइल के चलते दिल के रोगों का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। हार्टअटैक होते समय दिल तक पहुंचने वाला खून और धमनियों में खून के थक्के बहुत ज्यादा जमा हो जाते हैं। जिस कारण पूरे शरीर में रक्त संचार बहुत प्रभावित हो जाता है। हार्ट अटैक के मरीज को स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक होता है। तो आइए आज हम आपकों कुछ ऐसी बाते बता रहे है जो कि हार्ट अटैक के मरीज को ध्यान में रखना बहुत आवश्यक होता है।

- हार्टअटैक के बाद बिस्तर पर पड़े रहने से बहुत बेहतर है कि आप थोड़ा बहुत चल फिर लें। साइकिल चलाएं, टहलें।
- रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ट अटैक का खतरा सबसे ज्यादा हाई ब्लड प्रेशर से होता है। तनाव, व्यायाम ना करना आपके दिल के लिए गंभीर खतरा भी बन सकता है।
- अगर आप एक बार हार्ट अटैक का शिकार हो चुके हैं तो ऐसे में आपको धूम्रपान करना बंद करना पड़ेगा।
- हार्टअटैक के बाद कभी भी पेस्ट्री, चॉकलेट या फिर मिठाई आदि का सेवन कतई ना करें।
- अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक नमक का सेवन अधिक करने से हार्ट अटैक की गंभीर परेशानी हो जाती है।
- ऐसी स्थिति में आपको खाने में कम से कम तेल या घी का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए।

रेसिपी



पापड़ पोटैटो रोल

सामग्री

- पापड़- 8
- उबला, छिला और मैश किया आलू- 1 कप
- मैदा- 1/2 कप
- बारीक कटी मिर्च- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- नीबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच ' तेल- आवश्यकतानुसार

विधि

एक बर्तन में मैदा और तीन-चौथाई कप पानी डालें। मैदे के घोल को अच्छी तरह से मिलाएं ताकि उसमें एक भी गांठ न रहे। एक दूसरे बर्तन में आलू, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, नमक, नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। मिश्रण को छह बराबर हिस्सों में बांटें और उसे हाथों से रोल करके लंबा और चपटा रूप दें। पापड़ को टुकड़ा करके एक प्लेट में रख लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। अब आलू वाले रोल को पहले मैदे के घोल में डुबोएं और उसके बाद पापड़ के टुकड़े के ऊपर रोल करें ताकि टुकड़े उसमें अच्छी तरह से चिपक जाएं। रोल को गर्म तेल में सुनहरा होने तक अच्छी तरह से तलें। हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।



कटहल के कबाब

- कटहल-बारीक टुकड़े
- बेसन- आधी कटोरी
- तेल- एक छोटा चम्मच
- पुदीने के पत्ते- बारीक कटा हुआ
- हरा धनिया- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कटहल को उबाल लें और ठंडा होने के बाद उसका पानी अच्छे से निचोड़ लें। बेसन का घोल बनाएं और इसे बेसन के घोल में लगाकर कढ़ाही में फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें मसाले जैसे मिर्च, हरा धनिया, नमक, अमचूर और पुदीने की पत्ती मिलाकर भूनें। ठंडा होने पर इसके हाथों से कबाब बनाएं और हल्का फ्राई कर लें। प्याज और हरी चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

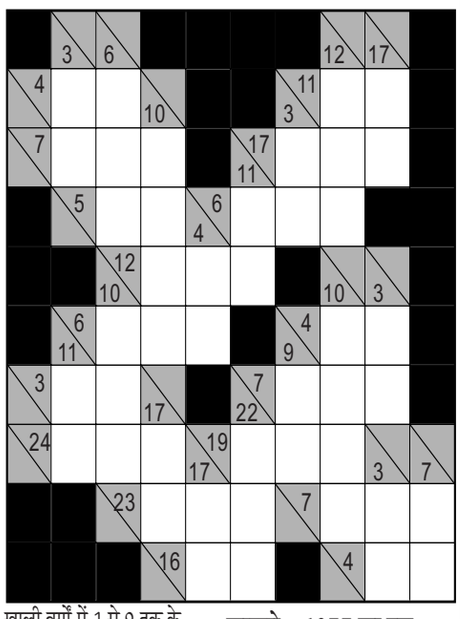
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

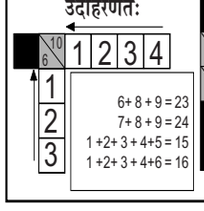
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 4078

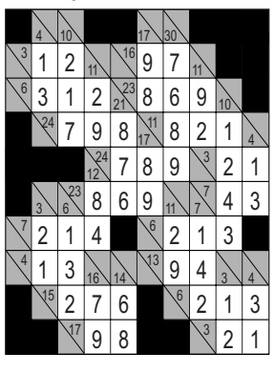


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4077 का हल



हंसी के फव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

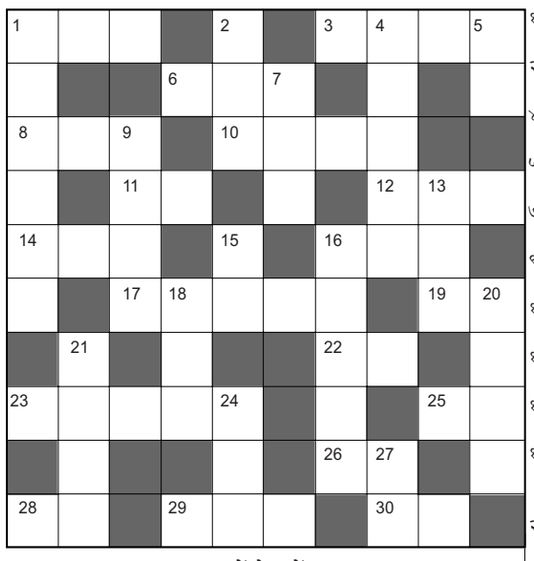
□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला-जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 4078



ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4077

अ	नि	ता		रे	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्ञा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -4078

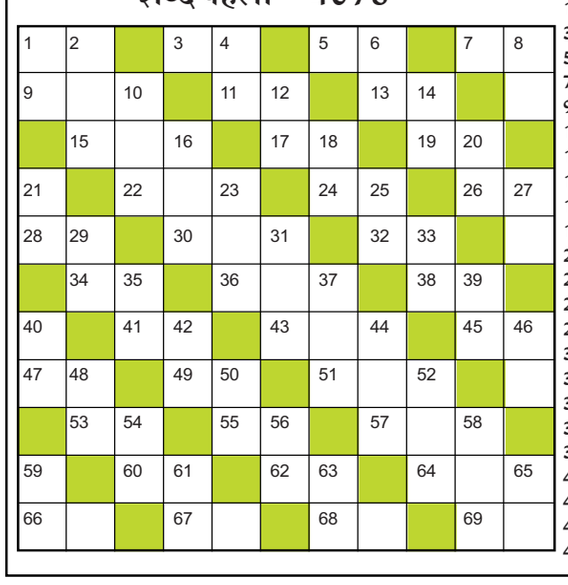
		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4077 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 4078



बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4077 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
फि		न	ज	ला		फि	क	र		त
न	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
न	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	



अनन्या बिरला ने बताया कैसी होगी 'प्रलय'

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पहले से ही अपनी फिल्म 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता को लेकर चर्चा में हैं। इसके बाद अब एक्टर जल्द ही एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाले हैं। दरअसल, रणवीर पहली बार जॉम्बी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। अब फिल्म की प्रोड्यूसर अनन्या बिड़ला ने इसे लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ सकती है। अनन्या ने फिल्म को एक बड़ा सिनेमैटिक अनुभव बताया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

'प्रलय' को लेकर बोलीं अनन्या बिड़ला

अनन्या बिड़ला हाल ही में करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंची थीं। इस दौरान उनसे रणवीर सिंह की फिल्म 'प्रलय' को लेकर सवाल किया गया। इस पर अनन्या ने कहा, 'यह एक स्पेक्टेकल होने वाली है और मुझे उम्मीद और प्रार्थना है कि लोगों को यह पसंद आएगी। इसके अलावा सब कुछ भगवान और दर्शकों के हाथ में है।' हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़ी दूसरी जानकारियों को अभी मेकर्स ने गुप्त रखा है। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है।

'प्रलय' एक बड़े स्तर पर बनाई जा रही एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे जय मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई और इसके आसपास की असली लोकेशन पर की जा रही है। कई महीनों की तकनीकी तैयारियों के बाद फिल्म की प्रिंसिपल फोटोग्राफी शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। कल्याणी को फिल्म 'लोका' से काफी पहचान मिली है। खास बात यह है कि रणवीर इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद यह रणवीर की अगली बड़ी फिल्म मानी जा रही है।

अनन्या ने अपने एक्स को किया फोन

करण के शो में अनन्या बिड़ला के साथ अभिनेत्री अनन्या पांडे भी नजर आई थीं। अनन्या पांडे ने मजाक में कहा कि उन्हें दुनिया की हर दूसरी अनन्या नापसंद है, लेकिन अनन्या बिड़ला को छोड़कर। वहीं, 'सिप इट इफ यू हैव डन इट' गेम के दौरान अनन्या बिड़ला ने खुलासा किया कि एक बार उन्होंने अपनी प्राइवेट डेट के लिए पूरा वेन्यू खाली करवा दिया था। इसके बाद अनन्या पांडे ने आदित्य रॉय कपूर, ईशान खट्टर और कार्तिक आर्यन को फोन किया। इस पर अनन्या बिड़ला ने मजाक करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सभी एक्स को फोन कर लिया है।

'कॉफी विद करण' का आखिरी सीजन

करण जौहर का मशहूर चैट शो 'कॉफी विद करण' इन दिनों अपने नौवें और आखिरी सीजन को लेकर चर्चा में है। शो के अक्टूबर में प्रीमियर के दौरान करण ने साफ कर दिया था कि वह इसका अगला सीजन नहीं लाएंगे। इस सीजन में पहले मेहमान सलमान खान बने थे। इसके बाद रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा, करीना कपूर-सैफ अली खान और कियारा आडवाणी-सिद्धार्थ मल्होत्रा जैसे सितारे शो का हिस्सा बने।





रिश्ते पर्सनल होते हैं, पब्लिक एंटरटेनमेंट नहीं



अभिनेता अविनाश मिश्रा ने अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ ब्रेकअप की अफवाहों और धोखा देने के आरोपों के बीच अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स और मीडिया पेजों से प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की। अभिनेता अविनाश मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी से न सिर्फ प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की बल्कि उनके निजी मामले में दखल न देने के लिए भी कहा। हालांकि, अभिनेता ने अपनी पोस्ट में ब्रेकअप और धोखे की खबर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही ईशा सिंह का सीधे तौर पर नाम लिया।

अविनाश मिश्रा ने शेयर किए गए नोट में लिखा, 'दोस्तों, चलो इसे यहीं खत्म करते हैं और आगे बढ़ते हैं। पिछले कुछ हफ्ते काफी लोगों के लिए मुश्किल रहे हैं। मीडिया पेजों से गुजारिश है कि सबकी प्राइवेसी का सम्मान करें। रिश्ते पर्सनल होते हैं, पब्लिक एंटरटेनमेंट नहीं। हर चीज व्यूज और इंगेजमेंट के लिए नहीं होती। चलो लोगों को शांति से जीने देते हैं।

बता दें कि अविनाश मिश्रा का यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा के ब्रेकअप की खबरें तेज हैं। गौरतलब है कि ईशा सिंह की मां रेखा सिंह के एक वायरल पोस्ट के बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें तेज हो गई, जिसके बाद मीडिया ने नोटिस किया कि ईशा ने भी अविनाश को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, अविनाश अभी भी उनको फॉलो कर रहे हैं। वहीं, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर ऐसा दावा भी किया जा रहा है कि अविनाश ने ईशा को चीट किया है, जिसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें और तेज हो गईं। हालांकि दोनों की ओर से अभी तक ब्रेकअप की कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

अभिनेता अविनाश मिश्रा और अभिनेत्री ईशा सिंह बिग बॉस-18 में साथ नजर आए थे। शो के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए और अक्सर एक-दूसरे का समर्थन करते दिखे जिसके बाद बाहर भी दोनों को साथ देखा गया। हालिया समय तक दोनों को 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सक्सेस पार्टी और 'पति पत्नी और पंगा 2' जैसे संदर्भों में साथ देखा गया था।



कैमरे के सामने 100 प्रतिशत परफॉर्मेंस देती हैं आलिया

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अपने अनुभव को याद किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने आलिया को एक साथ कई जिम्मेदारियां संभालते हुए देखा। वह जहां कैमरे के सामने अपने किरदार पर पूरा ध्यान देती हैं, वहीं शॉट्स के बीच घर, बेटी और अपने दूसरे कामों की प्लानिंग भी करती रहती हैं। शरवरी ने आलिया को शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ बेहतरीन मल्टीटास्कर भी बताया। दरअसल, शरवरी शो 'कोण होणार करोडपती' में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने शो की होस्ट माधुरी दीक्षित से बातचीत में आलिया के साथ काम करने और उनसे मिली सीख के बारे में बताया। शरवरी ने तारीफ करते हुए कहा, ''आलिया मेरी पसंदीदा अभिनेत्री हैं। वह मुझसे सीनियर हैं और उन्होंने जिस तरह की फिल्में की हैं, पर्दे पर जैसी कहानियां लाई हैं और अलग-अलग किरदार निभाए हैं। वे सभी मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं। मैंने हमेशा सोचा है कि मुझे भी ऐसी फिल्में करनी हैं। आलिया हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं। जब मुझे पता चला कि मुझे उनके साथ एक फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो मैं बहुत खुश हुई।'' शरवरी ने आगे बताया कि आलिया के साथ काम करना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने का मौका नहीं था, बल्कि उनसे बहुत कुछ सीखने का भी अवसर था। उन्होंने कहा, ''मैंने सोचा था कि मैं चुपचाप उनके आसपास रहूंगी और



जितना हो सकेगा, सीखूंगी। एक इंसान के तौर पर भी वह शानदार हैं। मुझे याद है कि वह खुद इतनी यंग दिखती हैं, लेकिन उनकी एक छोटी बेटी भी है। शूटिंग के बीच में भी वह लगातार चीजों की प्लानिंग करती रहती हैं। उन्हें पता होता है कि क्या चल रहा है। जब कैमरा चालू होता है, तो वह पूरी तरह अपने काम पर ध्यान देती हैं और अपना सौ प्रतिशत देती हैं। इसके साथ ही वह घर, अपने ब्रांड्स और बाकी चीजों को भी संभालती हैं। वह वाकई मल्टीटास्कर हैं।'' शरवरी की बात सुनकर माधुरी दीक्षित भी काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, ''वाह। यह बहुत अच्छी बात है। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि अपनी जिंदगी की हर चीज पर ध्यान देती हैं।'' बता दें कि शरवरी और आलिया ने फिल्म 'अल्फा' में साथ काम किया है। शिव रवैल के निर्देशन में बनी यह एक्शन-थ्रिलर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियां अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए शरवरी भी यशराज फिल्म्स की स्पाई फ्रेंचाइजी से जुड़ी हैं।



आगामी रोमांटिक थ्रिलर में राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी कोमल पावस्कर

बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज़ फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है। कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने



और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी। हिंदी सिनेमा में अपनी पहली बड़ी शुरुआत की तैयारी कर रहीं कोमल का थिएटर से लेकर औपचारिक प्रशिक्षण और अब बड़े पर्दे तक का सफर एक ऐसे नए चेहरे की कहानी सामने लाता है, जिसकी शुरुआत उनके डेब्यू से काफी पहले हो चुकी थी। कोमल के लिए इकाई सिर्फ बॉलीवुड में उनकी एंट्री नहीं, बल्कि सालों की मेहनत, सीखने की लगन, अनुशासन और समर्पण से तैयार हुए एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है।

मैं नेपोटिज्म को नहीं नकारती

हमारी पीढ़ी बिना किसी वजह बदनाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी पीढ़ी यानी जेन-जी और नेपोटिज्म के सवालों पर खुल कर बात की है। अनन्या ने बताया की वे नेपोटिज्म को नहीं नकारती हैं। हालिया इंटरव्यू में अनन्या ने कहा कि युवा पीढ़ी को बिना किसी वजह के बदनाम किया जाता है, जबकि उनके लिए सफलता को देखने का नजरिया अलग है।

जेन-जी बिना किसी वजह के बदनाम है

युवा पीढ़ी को लेकर बनने वाली धारणाओं पर नाराजगी जताते हुए अनन्या पांडे ने कहा, 'मुझे ईमानदारी से लगता है कि जेन-जी बिना किसी वजह के बदनाम है। दरअसल, आज की पीढ़ी के लिए सफलता की परिभाषा ही अलग है।' उन्होंने पुरानी और नई पीढ़ी की सोच की तुलना करते हुए समझाया कि पहले के दौर में बड़े होते समय सफलता का केवल एक ही तय पैमाना होता था और उसे हासिल करने के लिए एक निश्चित रास्ते पर चलना पड़ता था, लेकिन जेन-जी इससे थोड़ा अलग है।

मेरा काम करने का तरीका अलग

अनन्या ने अपने काम करने के अंदाज का उदाहरण देते हुए बताया कि वे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण माहौल में बेहतर काम करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा घंटे काम करना पसंद है, लेकिन हर किसी के लिए यह नियम लागू होना जरूरी नहीं है। अनन्या के मुताबिक, 'हो सकता है मेरी ही पीढ़ी का कोई दूसरा व्यक्ति बिना उतनी कड़ी मेहनत किए भी उतना ही सफल हो। यह काम करने और आगे बढ़ने का उनका अपना तरीका है।'

लोग मेरे बारे में कुछ भी सोचें, मैं अपना सपना जी रही हूं

सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं और लोगों की राय पर बात करते हुए अनन्या ने कहा कि वे इन बातों से प्रभावित हुए बिना अपने काम पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग मेरे बारे में चाहे जो भी सोचें, मैं हर दिन सुबह उठती हूं और भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं कि मुझे अपना सपना जीने का मौका मिल रहा है।'



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।